Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 193
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
बुधवार,11 फरवरी 2026

# मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

2 सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 20

4 हर साल हजारों ब्च्चे इस जानलेवा बीमारी का होते

7 पूजा हेगड़े को छोटे बच्चे से मिला कड़ा

### बाराबंकी में दहाड़े योगी

# कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे

■ लोधेश्वर महादेव मंदिर में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर बनेगा कॉरिडोर-योगी

■ बाराबंकी का होगा अपना विकास प्राधिकरण

**लखनऊ,(संवाददाता)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज पहुंचे बाराबंकी और दुल्हदेपुर कुटी में दशम श्री हनुमत विराट महायज्ञ एवं श्रीरामार्चा पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। यज्ञ मंडप में उन्होंने विधिवत आहुति दी। इस अवसर पर संत बलराम दास ने मुख्यमंत्री का स्वागत मखाने और लावा की माला पहनाकर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाराबंकी भगवान विष्णु के वराह अवतार की भूमि है। यही लोधेश्वर महादेव का पवित्र धाम है। इसी धरती पर हॉकी के महान खिलाड़ी और पद्म सम्मान से सम्मानित बाबू केडी सिंह का जन्म हुआ था। उनकी हवेली बिकने वाली थी लेकिन सरकार ने बिकने नहीं दिया, वहां भव्य स्मारक बन रहा है ताकि जनपद का नौजवान उनसे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ सके। बाराबंकी के प्रगतिशील किसानों ने आधुनिक खेती के माध्यम से जिले को नई पहचान दी है। किसान रामसरन वर्मा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पद्म सम्मान से सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि लोधेश्वर महादेव मंदिर में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर कॉरिडोर का निर्माण किया जाएगा।विपक्ष पर हमला बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह रुकने और गिरने वाली सरकार नहीं है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार जो कहती है, वह करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि हमने कहा था कि राम मंदिर बनाएंगे और हमने राम मंदिर बनवाया भी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कयामत की रात कभी नहीं आएगी, इसलिए बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण कभी संभव नहीं है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वे ऐसे ही सड़-गल जाएंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से कहना चाहेंगे कि कयामत के दिन के लिए मत जियो, हिंदुस्तान में कायदे से रहना सीखो, क्योंकि कायदे में रहोगे तो फायदे में रहोगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों के बाद एक गौरवशाली क्षण आया है। इन वर्षों में अनेक राजा-महाराजा और सरकारें आईं, लेकिन किसी ने भी राम मंदिर निर्माण के लिए गंभीर प्रयास नहीं किया। कुछ लोग संकट के समय ही भगवान राम को याद करते हैं और बाद में भूल जाते हैं, इसलिए भगवान राम भी अब उन्हें भूल चुके हैं। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति बेहद खराब थी। हर चौथे दिन शहरों में कर्फ्यू लगाना पड़ता था। पर्व-त्योहार शांति से नहीं मनाए जा सकते थे। गरीबों की जमीनों पर कब्जा होता था और अराजकता चरम पर थी। आज प्रदेश से अराजकता समाप्त हो चुकी है और विकास की नई गति दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं बल्कि देश की अर्थव्यवस्था का मजबूत राज्य बनकर उभर रहा है, जहां विरासत और विकास दोनों को साथ लेकर सरकार आगे बढ़ रही है।माघ मेले में अब तक 21 करोड़ श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में करोड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। सुरक्षा और बेहतर सुविधाओं के कारण लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। किसान आज सुरक्षित माहौल में खेती कर रहा है और उसकी फसल सोना उगल रही है। बेटियां और व्यापारी सुरक्षित हैं ।

# नेपाल में बड़ा हादसा : तामाकोशी नदी में गिरी बस,12 यात्रियों की मौत, आठ घायल

**काठमांडू।** मध्य नेपाल के रामेछाप जिले के माचानेतार में एक यात्री बस तामाकोशी नदी में गिर गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई। रामेछाप जिला के पुलिस उपाधीक्षक भोला कुमार भट्टा ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि सुबह करीब 11 बजे हुए इस हादसे में 12 लोगों की जान चली गई। उन्होंने कहा, ₹आठ लोग घायल हुए हैं, और उनमें से सात को गंभीर चोटों के कारण आगे के इलाज के लिए काठमांडू भेजा गया है। भट्टा के मुताबिक, ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया और गाड़ी सड़क से करीब 100 मीटर नीचे नदी में जा गिरी। बस, जो काठमांडू से ओखलढुंगा के पोकली के लिए निकली थी, तामाकोशी नदी में गिर गई। रामेछाप के जिला प्रशासन कार्यालय ने बताया कि घटनास्थल से छह शव बरामद किए गए हैं, जबकि छह अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने कहा कि यह तुरंत साफ नहीं है कि बस में कितने यात्री सवार थे, लेकिन भट्टा ने कहा कि अधिकारियों का मानना ?है कि इस बस में करीब 24 लोग सफर कर रहे थे। हादसे के बाद, स्थानीय पुलिस इकाइयों, सशस्त्र पुलिस बल और आपदा प्रबंधन विभाग की मदद से एक रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। सड़कों पर गाड़ियों की संख्या बढ़ने और देश भर में रोड कनेक्टिविटी बेहतर होने से, हाल के वर्षों में नेपाल में सड़क हादसों में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई है। ट्रैफिक पुलिस ऑफिस के मुताबिक, एक दशक पहले 4,999 सड़क हादसे रिपोर्ट हुए थे। वहीं, 2024-25 में 7,669 सड़क हादसों में 190 मौतें रिपोर्ट की गईं, इनमें से 278 हादसे गंभीर माने गए। जन हानि के अलावा, इसका आर्थिक तौर पर भी असर पड़ता है। 2020 में वर्ल्ड बैंक की एक स्टडी से पता चला कि नेपाल में रोड ट्रैफिक में लगने वाली चोटों की इकोनॉमिक कॉस्ट 2007 से तीन गुना बढ़ गई है ।

## सार संक्षेप

### मेरठ-दिल्ली एक्सप्रेसवे पर दो लोगों की मौत

**नोएडा,(संवाददाता)।** नोएडा में मेरठ-दिल्ली पिकअप पीछे से ट्रक में टकरा गई। हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। जबकि तीन लोग घायल है। तीन का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया है। वहां इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि पिकअप नंबर डीएल 1सी एएच 1790 पीछे से ट्रक नंबर एमपी 07 जीए 9111 से टकरा गई। टक्कर देख पिकअप में फंसे ड्राइवर अमित को तीन ट्रक चालक अपने-अपने ट्रक साइड में रोककर ड्राइवर को निकालने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार सब्जी के ट्रक संख्या यूपी 37 एटी 6693 ने तीनों ट्रक ड्राइवरों को भी टक्कर मार दी। पांच व्यक्ति को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। घटनास्थल पर मौजूद ट्रकों को एनएचएआई क्रेन की मदद से सुरक्षित स्थान पर खड़ा कराया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था है।

### कुत्तों के हमले से बंदर घायल,प्राधिकरण टीम ने किया रेस्क्यू, इलाज जारी

**नोएडा,(संवाददाता)।** ग्रेटर नोएडा के जेवर क्षेत्र स्थित नवादा गांव में मंगलवार को कुत्तों के हमले से एक बंदर छत से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना से गांव में हड़कंप मच गया। घायल बंदर को दर्द से कराहते देख ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना समाजसेवियों को दी। जानकारी मिलते ही बिलासपुर स्थित पर्यावरण संरक्षण समिति के अध्यक्ष संजय नवादा अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। बंदर की गंभीर हालत को देखते हुए समाजसेवियों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग से संपर्क किया।

### बजट को लेकर शशि थरूर का सरकार पर तंज

# दिल के खुश रखने को 'गालिब' खयाल अच्छा है

**नई दिल्ली।** लोकसभा में मंगलवार को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने आरोप लगाया कि वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में बेरोजगारी को नजरअंदाज किया गया, रहन-सहन पर खर्च और असमानता की अनदेखी की गई और आम आदमी की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। उन्होंने सदन में केंद्रीय बजट पर सामान्य चर्चा की शुरूआत करते हुए मिर्जा गालिब के एक मशहूर शेर का उल्लेख करते हुए सरकार पर कटाक्ष किया कि ''हम को मालूम है जन्नत की हक ीकत लेकिन दिल के खुश रखने को 'गालिब' ये खयाल अच्छा है।'' कांग्रेस नेता कहा कि इस साल के बजट को देखकर प्रतीत होता है कि कार में एयर बैग को 'रीअरेंज' कर दिया गया है ताकि उसमें बैठे यात्री सुरक्षित महसूस करें। थरूर ने दावा किया, ''बजट में बेरोजगारी को नजरअंदाज किया गया, रहन-सहन पर खर्च और असमानता की अनदेखी की गई है। आम आदमी के संघर्ष पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है।'' उन्होंने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि पिछले बजट में 53 बड़ी कल्याणकारी योजनाओं के लिए पांच लाख करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया लेकिन वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में केवल 41 प्रतिशत ही खर्च किया गया। उन्होंने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित राशि का बड़ा हिस्सा खर्च नहीं किये जाने पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''यह शासन नहीं, हेडलाइन मैनेजमेंट है।'' थरूर ने कृषि क्षेत्र पर बजट में ध्यान नहीं दिये जाने का आरोप लगाते हुए कहा, ''हमारे किसानों की आय दोगुनी करने का वादा आपसे पूरा तो हो नहीं पाया, कम से कम उनकी 'सम्मान निधि' तो बढ़ा दीजिए। पिछले छह साल से यह (प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि) केवल छह हजार रुपए पर अटकी हुई है।'' उन्होंने 2047 तक विकसित भारत बनाने के नरेन्द्र मोदी सरकार के लक्ष्य को सराहनीय बताया, हालांकि इस दिशा में बजट में किसी विश्वसनीय पथ पर आगे नहीं बढ़ने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''बेरोजगारी का बढ़ना जारी है। नौकरियां कम हो गई हैं। राहत पाने के लिए पहले से जद्दोजहद कर रहे छोटे कारोबार नियमों के अनुपालन के विभिन्न चरण में फंस गए हैं'। अनौपचारिक श्रमिकों और गिग वर्कर को अनिश्चिता एवं असुरक्षा की स्थिति में धकेल दिया गया है।'' कांग्रेस सांसद ने कहा, ''गिग वर्कर हमारी नयी अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। लेकिन बजट में उनका कोई जिक्र नहीं है।'' थरूर ने कहा कि डेढ़ लाख से अधिक स्कूलों में बिजली आपूर्ति नहीं है। उन्होंने कहा, ''असल में विकसित भारत नारों, भाषणों या प्रतीकों से नहीं बनेगा, बल्कि भारत के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से बनेगा।''

# बवाना में कारोबारी की हत्या के पीछे बिश्नोई गैंग का हाथ, सोशल मीडिया पर ली जिम्मेदारी

**नई दिल्ली :** बवाना में कारोबारी वैभव गांधी (35) की उनकी फैक्टरी के सामने गोली मार दी थी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गए। बदमाशों ने उन पर कई राउंड गोलियां चलाईं। एक गोली सिर व तीन गोली उनके पैर में लगी। दिल्ली के बवाना इलाके में सोमवार को हुई कारोबारी वैभव गांधी की हत्या की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट के माध्यम से गैंग ने इस हत्या को अंजाम देने की बात स्वीकार की है। गैंग ने स्पष्ट किया है कि यह हत्या किसी लूटपाट के इरादे से नहीं की गई थी, बल्कि रंगदारी मांगने के मामले में कारोबारी के बीच में आने के कारण हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने अपनी पोस्ट में लिखा है कि कारोबारी वैभव गांधी ने रंगदारी मांगने के दौरान हस्तक्षेप करने की कोशिश की थी। इसी कारण उन्हें निशाना बनाया गया। गैंग ने आगे चेतावनी देते हुए कहा है कि भविष्य में जो भी इस तरह के मामलों में बीच में आएगा, उसे भी इसी अंजाम का सामना करना पड़ेगा। दिल्ली पुलिस इस मामले में गहन जांच कर रही है। सोशल मीडिया पर की गई पोस्ट की सत्यता की पड़ताल की जा रही है। पुलिस हमलावरों की पहचान और उन्हें गिरफ्तार करने में जुटी है। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विशेष टीमें गठित की हैं जो गैंग के सदस्यों की तलाश में जुटी हैं। बदमाशों ने कारोबारी पर कई राउंड चलाईं गोलियां बवाना में कारोबारी वैभव गांधी (35) की उनकी फैक्टरी के सामने गोली मार दी थी। वारदात के बाद आरोपी मौके से भाग गए। पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर 12:51 बजे पुलिस को पूठ खुर्द में वारदात की सूचना मिली थी। वैभव परिवार के साथ फॅक्टरी नंबर 133, सेक्टर-4, डीएसआईआईडीसी बवाना में रहते थे। परिवार में पिता सुरेंद्र गांधी व अन्य सदस्य हैं।

# अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला, 9 मार्च को चर्चा की संभावना

**नई दिल्ली।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने फैसला लिया है कि वह तब तक सदन में नहीं आएंगे, जब तक उनके खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर फैसला नहीं हो जाता। विपक्ष की ओर से उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। इस पर नौ मार्च को चर्चा की संभावना है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से आज उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर उठाया सवाल? वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया। गौरव गोगोई ने क्या कहा? कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि आज दोपहर 1:14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सांसदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी। अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का है जिक्र विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव में चार घटनाओं का जिक्र किया गया है। इनमें एक में कहा गया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को बोलने नहीं दिया गया।

# व्यापार समझौता राष्ट्रीय हितों की बलि; मोदी सरकार ने किया विश्वासघात :खरगे

**नई दिल्ली:** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को राष्ट्रीय हितों की बलि बताते हुए मोदी सरकार पर विश्वासघात का आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। खरगे ने इसे भारत के रणनीतिक राष्ट्रीय हितों की बलि बताते हुए इसे विश्वासघात और पारदर्शिता से मढ़ी हुई हार करार दिया। उन्होंने दावा किया कि इस समझौते के छिपे हुए प्रिंट ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के राष्ट्रीय हितों को गिरवी रख दिया है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर

पोस्ट करते हुए कहा भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का असली सच अब धीरे-धीरे सामने आ रहा है। यह समझौता भारत के राष्ट्रीय हितों की बलि देने वाला है। खरगे ने कहा कि इस समझौते में भारत को रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाने के लिए मजबूर किया गया है, जो देश की सामरिक स्वतंत्रता पर हमला है। उन्होंने कहा हमें बताया गया था कि भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में रूसी तेल पर कोई टिप्पणी नहीं की गई थी, लेकिन व्हाइट हाउस के फैक्ट शीट में साफ लिखा है कि भारत को रूसी तेल खरीदना बंद करना होगा। किसानों के खिलाफ धोखा और विदेशी कृषि उत्पादों का आयात खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार ने पहली बार भारत के कृषि क्षेत्र को पूरी तरह से विदेशी उत्पादों के लिए खोल दिया है। उन्होंने कहा अब हम समझते हैं कि भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में ह्यअतिरिक्त उत्पादह्ल से क्या मतलब था। 'दाल' को अचानक व्हाइट हाउस के फैक्ट शीट में जोड़ा गया है, जबकि यह भारत-अमेरिका संयुक्त बयान में नहीं था। खरगे ने भारत के डेयरी किसानों का पक्ष लेते हुए कहा कि इस व्यापार समझौते में अमेरिकी पशु आहार के आयात को मंजूरी दी गई है, जो ऋ (जीन संवर्धित) होते हैं और इससे भारत के मवेशियों की नस्ल और दूध की गुणवत्ता पर असर पड़ेगा। खुले तौर पर किसानों और डेयरी उद्योग को नुकसान खरगे ने यह भी कहा कि अमेरिकी जीएम पशु आहार के आयात से भारत के मवेशियों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

# किताब पर जनरल नरवणे की पहली प्रतिक्रिया, पेंगुइन के बयान को सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

**नई दिल्ली।** पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे ने अपनी पुस्तक फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी को लेकर पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी है। जनरल नरवणे ने इस संबंध में पेंगुइन इंडिया की ओर से जारी बयान को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में गतिरोध जारी है। इसी बीच पूर्व सेना प्रमुख ने मंगलवार को विवाद पर विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किताब से संबंधित प्रकाशक पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया के आधिकारिक बयान को रीपोस्ट किया। इससे पहले प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है। अब पेंगुइन इंडिया के ट्वीट पर रिट्वीट करते हुए जनरल एमएम नरवणे ने एक्स पर लिखा कि किताब की वर्तमान स्थिति यह है। इसी बीच प्रकाशन की ओर से एक अन्य बयान भी जारी किया गया है। जिसमें प्रकाशक ने कहा है कि किसी किताब या उसके प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध होने की घोषणा को पब्लिकेशन नहीं माना जाना चाहिए। इसके साथ पब्लिकेशन हाउस ने कहा है कि प्री-ऑर्डर के लिए उपलब्ध किताब और पब्लिश हुई किताब एक ही बात नहीं हैं। पेंगुइन ने बयान में कही थी यह बात पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया (पीआरएचआई) ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के संस्मरण फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी की अनधिकृत प्रतियां उपलब्ध होने की खबरों के बीच कहा है कि इसके प्रकाशन का अधिकार केवल उसके पास है और यह पुस्तक अब तक प्रकाशित नहीं हुई है। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की थी।

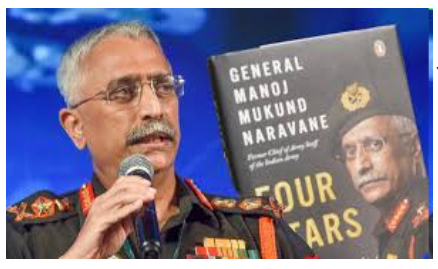


### बजट सत्र 2026 : अखिलेश यादव का सरकार पर तीखा हमला

# अमेरिका से डील नहीं ढील हुई है

**नई दिल्ली।** समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को दावा किया कि अमेरिका के साथ 'डील' नहीं, 'ढील' हुई है तथा जब इसी तरह का व्यापार समझौता करना था तो फिर 11 महीने इंतजार क्यों करवाया गया। अखिलेश यादव ने लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह कटाक्ष भी किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 'स्वदेशी' और 'आत्मनिर्भरता' जैसे शब्द बोलना छोड़ देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बजट आने से पहले और बाद में भी अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बात हो रही थी। उन्होंने कहा, ''मैं भाजपा की सरकार से जानना चाहता हूं कि कितने देश बचे हैं जिनसे मुक्त व्यापार समझौता नहीं कर पाए हैं।'' सपा नेता ने दावा किया, ''अमेरिका के साथ डील नहीं, ढील हुई है। अगर यही डील होनी थी तो 11 महीने इंतजार क्यों करवाया गया।'' उन्होंने भारतीय उत्पादों पर अमेरिका के 18 प्रतिशत शुल्क और अमेरिकी उत्पादों पर भारत में शून्य शुल्क का हवाला देते हुए कटाक्ष किया, ''हमारे देश की जनता जानना चाहती है कि शून्य बड़ा है या 18? क्या भाजपा का गणित यह है कि शून्य और 18 बराबर हैं?'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जब सब कुछ विदेश से आएगा तो देश के किसान क्या उगाएंगे? उन्होंने आरोप लगाया कि यह बजट दिशाहीन है और इसे लेकर कोई दृष्टिकोण नहीं है कि 2047 तक भारत कैसे विकसित बनेगा। यादव का कहना था कि इस बजट में 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के लिए कुछ नहीं है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि ''किसान और मजदूर बजट में अपने लिए मिली राहत को दूरबीन से देख रहे हैं।'' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि ''प्रधान संसदीय क्षेत्र'' वाराणसी में राजमाता अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति को बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यादव ने दावा किया, ''वाराणसी में वहां लगभग 100 मंदिरों को तोड़ दिया गया है। नेपाल नरेश की ओर भेंट किया गया घंटा भी लापता है।'' सपा अध्यक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए कुछ भी कर सकती है और इसी कोशिश के तहत उसने अयोध्या के 72 वर्षीय एक बुजुर्ग को बलात्कार के फर्जी मामले में कई महीनों तक जेल में रखा। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री ने वाराणसी में जिस गांव को गोद लिया था उसे बेसहारा छोड़ दिया गया।

# भारतीय रेल की ऐतिहासिक पहल: नमक लोडिंग के लिए स्टेनलेस स्टील कंटेनरों का सफल ट्रायल

**गोरखपुर :** अहमदाबाद मंडल के भीमासरङ्गगांधीधाम सेक्शन में भारतीय रेल ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नई उपलब्धि हासिल की है। नमक जैसे संक्षारक थोक कार्गो के परिवहन के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए यह कंटेनरों का यहां पहला सफल ट्रायल किया गया। यह पहल तकनीकी नवाचार के साथ-साथ सुरक्षित, तेज और आधुनिक माल परिवहन व्यवस्था की दिशा में एक अहम कदम है। इस ट्रायल से यह साफ हो गया है कि पारंपरिक खुले वैगनों की तुलना में कंटेनर आधारित परिवहन अधिक प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल हो सकता है। धुनिक कंटेनर कंटेनरों की लोडिंग प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया गया है। नमक की लोडिंग साइलो सिस्टम के माध्यम से या ऊपर से पोकलेन मशीन की मदद से की जा सकती है। प्रत्येक कंटेनर के ऊपर 7 . 4 फीट आकार के दो बड़े ओपनिंग दिए गए हैं, जिनसे पूरी तरह मशीनी और सुरक्षित लोडिंग संभव होती है। ट्रायल के दौरान प्रति कंटेनर लोडिंग में 15 मिनट से भी कम समय लगा। कुल 28 पोकलेन बकेट्स के माध्यम से प्रत्येक कंटेनर में नमक लोड किया गया, जो इस व्यवस्था की उच्च दक्षता और बेहतर प्रदर्शन को दशार्ता है।

तेज अनलोडिंग और बेहतर उपयोगिता अनलोडिंग की प्रक्रिया भी उतनी ही आसान और तेज रही। हाइड्रॉलिक टिपर ट्रक की सहायता से कंटेनर को लगभग 45 डिग्री तक झुकाकर 5 मिनट से भी कम समय में पूरा नमक खाली कर दिया गया। कंटेनर के साइड में दिए गए दरवाजों से नमक अपने आप नीचे गिर जाता है, जिससे कोई अवशेष नहीं बचता और अतिरिक्त सफाई की जरूरत भी नहीं पड़ती। तेज, स्वच्छ और कुशल नमक परिवहन की नई दिशा एक स्टेनलेस स्टील कंटेनर का खाली वजन लगभग 3 टन है, जिससे बड़े पैमाने पर नमक की ढुलाई समय पर और सुचारु रूप से की जा सकती है। इन कंटेनरों के इस्तेमाल से मैनुअल वैगन क्लीनिंग की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और किसी प्रकार की कोटिंग की जरूरत भी नहीं रहती। लोडिंग और अनलोडिंग जल्दी होने से वैगनों का टर्नअराउंड समय कम होता है और परिचालन क्षमता बढ़ती है। भीमासरङ्ग गांधीधाम सेक्शन में किया गया यह पहला ट्रायल भारतीय रेल के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह पहल न केवल तकनीकी रूप से सफल रही है, बल्कि आत्मनिर्भर, सुरक्षित और कुशल माल परिवहन के विजन को साकार करने की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हुई है।

## साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली त्यौहार पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 05005/05006 बढ़नी-अमृतसर-बढ़नी होली विशेष गाड़ी का संचलन बढ़नी से 04 से 25 मार्च,2026 तक प्रत्येक बुधवार को तथा अमृतसर से 05 से 26 मार्च,2026 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा।

05005 बढ़नी-अमृतसर होली विशेष गाड़ी 04 से 25 मार्च,2026 तक प्रत्येक बुधवार को बढ़नी से 15.10 बजे प्रस्थान कर तुलसीपुर से 15.50 बजे, बलरामपुर से 16.18 बजे, गोण्डा से 17.15 बजे, बुढ़वल से 18.22 बजे, सीतापुर जं0 से 19.58 बजे, बरेली से 23.10 बजे, दूसरे दिन मुरादाबाद से 00.55 बजे, सहारनपुर से 04.02 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 04.27 बजे, अम्बाला कैण्ट से 05.20 बजे, ढंडारीकलां से 06.55 बजे, जलन्धर सिटी से 08.10 बजे तथा व्यास से 08.45 बजे छूटकर अमृतसर 09.30 बजे पहुंचेगी।

वापसी यात्रा में 05006 अमृतसर-बढ़नी होली विशेष गाड़ी 05 से 26 मार्च,2026 तक प्रत्येक वृहस्पतिवार को अमृतसर से 12.45 बजे प्रस्थान कर व्यास से 13.17 बजे, जलन्धर सिटी से 13.58 बजे, ढंडारीकलां 15.15 बजे, अम्बाला कैण्ट से 16.50 बजे, यमुनानगर जगाधरी से 17.32 बजे, सहारनपुर से 18.10 बजे, मुरादाबाद से 21.30 बजे, बरेली से 22.56 बजे, दूसरे दिन सीतापुर जं0 से 02.38 बजे, बुढ़वल से 05.02 बजे, गोण्डा से 06.05 बजे, बलरामपुर से 06.50 बजे तथा तुलसीपुर से 07.22 बजे छूटकर बढ़नी 08.15 बजे पहुंचेगी।

इस गाड़ी में शयनयान श्रेणी के 12, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04 तथा एस.एल.आर. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

## शयनयान श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी होली त्यौहार पर यात्रियों की मांग को ध्यान में रखते हुये 05023/05024 गोमतीनगर-खातीपुरा-गोमतीनगर होली विशेष गाड़ी का संचलन गोमतीनगर से 03 से 24 मार्च,2026 तक प्रत्येक मंगलवार को तथा अमृतसर से 04 से 25 मार्च,2026 तक प्रत्येक बुधवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05023 गोमतीनगर-खातीपुरा होली विशेष गाड़ी 03 से 24 मार्च,2026 तक प्रत्येक मंगलवार को गोमतीनगर से 23.55 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन बादशाहनगर से 00.10 बजे, डालीगंज से 00.45 बजे, सीतापुर जं0 से 04.00 बजे, बरेली से 07.16 बजे, मुरादाबाद से 09.10 बजे, गाजियाबाद से 11.25 बजे, दिल्ली जं0 से 12.20 बजे, दिल्ली कैण्ट से 12.52 बजे, गुड़गांव से 13.08 बजे, रेवाड़ी से 14.35 बजे, अलवर से 15.30 बजे तथा बांदीकुंई से 16.32 बजे छूटकर खातीपुरा 07.30 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 05024 खातीपुरा-गोमतीनगर होली विशेष गाड़ी 04 से 25 मार्च,2026 तक प्रत्येक बुधवार को खातीपुरा से 18.50 बजे प्रस्थान कर बांदीकुंई से 19.42 बजे, अलवर से 20.33 बजे, रेवाड़ी से 22.05 बजे, गुड़गांव से 22.32 बजे, दिल्ली कैण्ट से 22.52 बजे, दूसरे दिन दिल्ली जं0 से 00.35 बजे, गाजियाबाद से 01.27 बजे, मुरादाबाद से 04.27 बजे, बरेली से 05.47 बजे, सीतापुर जं0 से 09.00 बजे, डालीगंज से 11.20 बजे तथा बादशाहनगर से 11.35 बजे छूटकर गोमतीनगर 11.45 बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी में जी.एस.एल.आर.डी. के 02, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा शयनयान श्रेणी के 11 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

# प्रत्येक शुक्रवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05301/05302 मऊ जं-अम्बाला कैंट-मऊ जं. साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन मऊ जं. से 05 से 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को तथा अम्बाला कैंट से 06 से 27 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को 04 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05301 मऊ जं-अम्बाला कैंट साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 05 से 26 मार्च, 2026 तक प्रत्येक बृहस्पतिवार को मऊ जं. से 04.00 बजे प्रस्थान कर बेलथरा रोड से 04.44 बजे, भटनी से 05.22 बजे, देवरिया सदर से 05.47 बजे, गोरखपुर से 07.00 बजे, खलीलाबाद से 07.37 बजे, बस्ती से 08.10 बजे, मनकापुर से 09.00 बजे, गोंडा से 09.35 बजे, बुढ़वल से 10.37 बजे, सीतापुर जं. से 12.23 बजे, बरेली से 15.02 बजे, मुरादाबाद से 16.45 बजे, गाजियाबाद से 19.37 बजे, दिल्ली से 20.30 बजे, सोनीपत से 21.14 बजे तथा पानीपत जं. से 22.07 बजे छूटकर दूसरे दिन अम्बाला कैंट 00.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05302 अम्बाला कैंट-मऊ जं. साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 06 से 27 मार्च, 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार को अम्बाला कैंट से 01.40 बजे प्रस्थान कर पानीपत जं. से 03.07 बजे, सोनीपत से 03.42 बजे, दिल्ली से 05.10 बजे, गाजियाबाद से 06.05 बजे, मुरादाबाद से 09.10 बजे, बरेली से 10.40 बजे, सीतापुर जं. से 14.00 बजे, बुढ़वल से 15.52 बजे, गोंडा से 17.00 बजे, मनकापुर से 17.20 बजे, बस्ती से 18.17 बजे, खलीलाबाद से 18.47 बजे, गोरखपुर से 20.00 बजे, देवरिया सदर से 21.05 बजे, भटनी से 21.34 बजे तथा बेलथरा रोड से 22.17 बजे छूटकर मऊ जं. 23.00 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेजयान का 01, सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 05, वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी के 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी का 01 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे।

# सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर यात्रियों की सुविधा हेतु 05045/05046 लालकुआं-राजकोट-लालकुआँ साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी का संचलन लालकुआँ से 01 से 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को तथा राजकोट से 02 से 30 मार्च, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को 05 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 05045 लालकुआँ-राजकोट साप्ताहिक होली विशेष गाड़ी 01 से 29 मार्च, 2026 तक प्रत्येक रविवार को लालकुआँ से 12.35 बजे प्रस्थान कर किच्छा से 13.00 बजे, बहेड़ी से 13.18 बजे, भोजीपुरा से 13.52 बजे, इज्जतनगर से 14.15 बजे, बरेली सिटी से 14.35 बजे, बरेली जं. से 14.50 बजे, बदायूँ से 15.35 बजे, सोरों शुकर क्षेत्र से 16.20 बजे, कासगंज से 17.15 बजे, हाथरस सिटी से 18.15 बजे, मथुरा कैंट से 19.05 बजे, मथुरा जं. से 19.25 बजे, भरतपुर से 21.05 बजे, दौसा से 23.40 बजे, दूसरे दिन जयपुर से 00.45 बजे, फुलेरा से 01.52 बजे, नावा सिटी से 02.24 बजे, कुचामन सिटी से 02.40 बजे, मकराना से 02.56 बजे, डेगाना से 03.30 बजे, मेड़ता रोड से 04.07 बजे, गोटन से 04.27 बजे, जोधपुर से 05.50 बजे, लूनी से 06.25 बजे, समदड़ी जं. से 07.30 बजे, मोकलसर से 07.56 बजे, जालोर से 08.23 बजे, मोदरान से 08.54 बजे, मारवाड़ भीनमाल से 09.20 बजे, रानीवाड़ा से 09.51 बजे, धनेरा से 10.42 बजे, भीलड़ी से 12.00 बजे, पाटन से 12.43 बजे, महेसाणा जं. से 13.30 बजे, वीरमगाम से 14.33 बजे, सुरेन्द्रनगर से 15.49 बजे तथा वांकानेर जं. से 16.45 बजे छूटकर राजकोट 18.10 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05046 राजकोट-लालकुआँ होली विशेष गाड़ी 02 से 30 मार्च, 2026 तक प्रत्येक सोमवार को राजकोट से 22.30 बजे प्रस्थान कर वांकानेर से 23.10 बजे, दूसरे दिन सुरेन्द्रनगर से 00.20 बजे, वीरमगाम से 01.37 बजे, महेसाणा से 02.35 बजे, पाटन से 03.27 बजे, भीलड़ी से 04.35 बजे, धनेरा से 05.06 बजे, रानीवाड़ा से 05.38 बजे, मारवाड़ भीनमाल से 06.09 बजे, मोदरान से 06.33 बजे, जालोर से 07.05 बजे, मोकलसर से 07.50 बजे, समदड़ी से 08.17 बजे, लूनी से 09.00 बजे, जोधपुर से 09.50 बजे, गोटन से 10.52 बजे, मेड़ता रोड से 11.15 बजे, डेगाना से 12.00 बजे, मकराना से 12.33 बजे, कुचामन सिटी से 12.50 बजे, नावा सिटी से 13.05 बजे, फुलेरा से 15.02 बजे, जयपुर से 16.35 बजे, दौसा से 17.22 बजे, भरतपुर से 20.35 बजे, मथुरा जं. 22.45 बजे, मथुरा कैंट से 23.00 बजे, हाथरस सिटी से 23.32 बजे, तीसरे दिन कासगंज से 00.50 बजे, सोरों शुकर क्षेत्र से 01.15 बजे, बदायूँ से 01.55 बजे, बरेली जं. 02.55 बजे, बरेली सिटी से 03.15 बजे, इज्जतनगर से 03.35 बजे, भोजीपुरा से 03.50 बजे, बहेड़ी से 04.17 बजे तथा किच्छा से 04.37 बजे छूटकर लालकुआँ 05.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में एस.एल.आर.डी. के 02, शयनयान श्रेणी के 11, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी का 01 तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के 04 कोचों सहित कुल 20 कोच लगाये जायेंगे।

# छात्राओं द्वारा लगायी गयी विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुये प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी मनोज कुमार

गोरखपुर, : एन.ई.रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज, गोरखपुर में 10 फरवरी, 2026 को प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर श्री मनोज कुमार के मुख्य आतिथ्य में विद्यालय का वार्षिकोत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार ने लगाये गये विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन कर तथा दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना, स्वागत गान, समूह नृत्य एवं बालिकाओं की शिक्षा के महत्व पर आधारित नाटक रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथ्य ने विभिन्न क्रिया-कलापों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राओं को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्य अतिथि श्री मनोज कुमार ने अपने सम्बोधन में छात्राओं द्वारा लगायी गयी विज्ञान प्रदर्शनी एवं उनके द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुये कहा कि छात्रायें जिस विधा को सीख रही हैं, उसके कारण अपनी जिज्ञासा मरने न दें, क्योंकि हर विधा जिन्दगी में आप को एक नया रास्ता दिखाती है। साथ ही छात्राओं को हर विधा के आगे या पीछे का जो मोटिव है उसे भी जानना चाहिये। प्रधानाचार्य, एन.ई.रेलवे गर्ल्स इण्टर कालेज श्री अरूण कुमार सक्सेना ने विद्यालय का वार्षिक रपट प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये उन्हें उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म, कम्प्यूटर लैब एवं नारी बुक बैंक आदि की सुविधा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अन्त में विद्यालय के कार्यकारी अधिकारी एवं उप मुख्य इंजीनियर/गोरखपुर क्षेत्र श्री राजेश कुमार सिंह ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा अन्य उपस्थित गणमान्य अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं अध्यापकों की सराहना की।

## यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर लैपटॉप व मोबाइल को उसे सुपुर्द किया गया

गोरखपुर, : रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 09 फरवरी, 2026 को अपराध आसूचना शाखा वाराणसी एवं रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट औंड़िहार द्वारा सीनियर सेक्शन इंजीनियर/रेलपथ कार्यालय औंड़िहार के निकट से रेल सम्पत्ति की चोरी कर ले जाते हुए एक शातिर चोर को रेल सम्पत्ति (कॉपर वायर एवं केबल) के साथ गिरफ्तार किया गया। 09 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को गाड़ी संख्या 15950 में 17 वर्ष का एक लड़का एवं 16 वर्ष की एक लड़की लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त लड़के एवं लड़की को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 09 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट लखनऊ सिटी को प्लेटफार्म संख्या 01 पर 11 एवं 14 वर्ष के दो लड़का लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त दोनों लड़के को चाइल्ड लाइन, लखनऊ को सुपुर्द किया गया। 09 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, लखनऊ जं. को गाड़ी संख्या 15007 के जनरल कोच से यात्री का छूटा एक बैग एवं एक मोबाइल मिला, जिसे लखनऊ पोस्ट पर जमा किया गया। यात्रियों के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। 09 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, लखनऊ जं. को गाड़ी संख्या 15114 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल गोमतीनगर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। 09 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, बादशाहनगर को गाड़ी संख्या-15708 में यात्री का छूटा एक मोबाइल मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल बादशाहनगर पोस्ट पर जमा किया गया। जिसे यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। 09 फरवरी, 2026 को रेलवे सुरक्षा बल, देवरिया सदर को गाड़ी संख्या-15106 में यात्री का छूटा एक लैपटॉप एवं 04 मोबाइल मिला, जिसे रेलवे सुरक्षा बल देवरिया सदर पोस्ट पर जमा किया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर लैपटॉप व मोबाइल को उसे सुपुर्द किया गया।

## दालमंडी में ध्वस्तीकरण कार्रवाई जारी, हंगामा करने में दो नामजद व अज्ञात के खिलाफ एफआईआर

**वाराणसी।** वाराणसी में दालमंडी चौड़ीकरण के लिए मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी है। सोमवार को हुई कार्रवाई के दौरान आग लगाने और विवाद करने के मामले में पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है। दालमंडी में सोमवार को ध्वस्तीकरण के दौरान आग लगाने और बवाल करने के मामले में दालमंडी चौकी प्रभारी प्रकाश सिंह चौहान की तहरीर पर अजमत, फारूक खान व अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ चौक थाने में बीएनएस की धारा 221 व 7 सीएल एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। उधर, दालमंडी में मंगलवार को भी ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी है। सोमवार को जिन 21 मकानों को तोड़ा गया था, उनके बचे हुए हिस्सों को ध्वस्त करने का काम किया जा रहा है। साथ ही मलबे भी हटाए जा रहे हैं। इस दौरान सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात है। मीडिया के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध दालमंडी चौड़ीकरण योजना के तहत मकानों को ध्वस्त करने की कार्रवाई चल रही है। ऐसे में सुरक्षा की दृष्टि से मीडिया के प्रवेश पर मंगलवार को प्रतिबंध लगा दिया गया। इसे लेकर एक सूचना का बैनर लगा दिया गया है।

## वाराणसी में महिला समेत दो लोगों ने की आत्महत्या होटल में हुई घटना से सनसनी

**वाराणसी।** वाराणसी जिले में स्थित एक होटल में दो लोगों की आत्महत्या की घटना से हड़कंप मच गया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच में जुटी। वाराणसी जिले के सिगरा थाना क्षेत्र के परेड कोठी के पास एक होटल में महिला समेत दो लोगों ने आत्महत्या कर ली। घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया। दोनों आठ फरवरी को काशी आए थे। पुलिस मौके पर

पहुंचकर घटना की छानबीन कर रही है। प्राथमिक जांच में विषाक्त पदार्थ के सेवन से मौत की जानकारी मिली है। दोनों भाई- बहन बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही एसीपी चेतगंज, प्रभारी निरीक्षक सिगरा और रोडवेज चौकी प्रभारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच कराई जा रही है। दोनों हैदराबाद के निवासी बताए जा रहे हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### सड़क हादसे में मासूम की मौत, छह घायल

बस्ती। बस्ती-गोंडा जिले की सीमा पर नवाबगंज (गोंड) थाना क्षेत्र के अयोध्या-गोंडा-बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग पर लोलपुर ओवरब्रिज पर सोमवार की सुबह तेज रफ्तार कार सामने चल रहे ट्रक के अचानक ब्रेक मारने से ट्रक में पीछे से जा टकराई। हादसे में एक मासूम की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, बस्ती जनपद के शहर कोतवाली क्षेत्र के बड़े वन निवासी दिलीप उपाध्याय (38) अपनी पत्नी ज्योति (32), बड़े बेटे दिशांत (9), छोटे बेटे ओजस (6) और अशोक (65), पलक (28) पत्नी दीपक दूबे, अनाया (6) पुत्री दीपक दूबे निवासी मोहल्ला कजियाना अयोध्या कोतवाली एक कार से अयोध्या में आयोजित एक बहूभोज में शामिल होकर लौट रहे थे। रास्ते में लोलपुर ओवरब्रिज पर हादसे में कार सवार सभी लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान छह वर्षीय मासूम ओजस पुत्र दिलीप की मौत हो गई। वहीं घायलों में ज्योति, दिशांत, दिलीप और अशोक को लखनऊ मेडिकल कालेज रेफर किया गया है।

### पहुंच गई प्रश्न पत्र और उत्तर पुस्तिकाएं

बस्ती। यूपी बोर्ड परीक्षा शुरू होने में अब एक सप्ताह और बचा है। परिषद की ओर से सोमवार को हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के गोपनीय प्रश्नपत्र एवं उत्तर पुस्तिकाएं विभाग को प्राप्त करा दी गई है। जीआईसी में बनाए गए स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा के बीच सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में इन्हें रखवा दिया गया है। अभी स्टेटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त न होने से इसका वितरण एक दो दिन बाद से ही शुरू होगा। इस बार शुचितापूर्ण परीक्षा कराने के लिए जिला स्तर पर कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसमें वाईफाई सुविधा से लैस दस हाईटेक कंप्यूटरों से जिले के 130 परीक्षा केंद्रों की निगरानी की जाएगी। चौबीस घंटे सभी परीक्षा केंद्र कंट्रोल रूम से लाइव जुड़े रहेंगे। यहां तकनीकी जानकारों की ड्यूटी लगाई गई है। मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम प्रभारी भी नियुक्त किए गए हैं।

### चार दिन से लापता युवक का नहीं लगा सुराग

कप्तानगंज। चार दिन बाद भी लापता युवक का कोई सुराग नहीं लगा पाया है। इससे परिजनों को अनहोनी की आशंका सता रही है। पुलिस ने मामले में गुमशुदगी दर्ज करते हुए खोजबीन में जुटी हुई है। कप्तानगंज क्षेत्र के रतासी गांव के रहने वाले आदित्य पांडेय छह फरवरी की सुबह करीब 11 बजे घर से बाल कटवाने निकला था। काफी देर तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की, मगर कुछ पता है नहीं चला। देर रात परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने युवक के मोबाइल के सीडीआर के सहारे उसे तलाशने में जुटी है।

### पेड़ से टकराई बाइक चालक घायल

वाल्टरगंज। थाना सोनहा क्षेत्र के पचमोहिनी भट्टे के पास तेज रफ्तार बाइक सवार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गया। इससे बाइक चालक वकील चंद निवासी मुगरहा थाना सोनहा घायल हो गए। हादसा होता देख आसपास के लोग जुट गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से घायल को पीएचसी सल्टौआ गोपालपुर भेजवाया गया।

### मुंबई में मिलीं लापता तीन बालिकाएं

बस्ती। सोहना थाना क्षेत्र लापता तीन किशोरियों को सोमवार को सुरक्षित खोज लिया है। तीनों मुंबई में मिली हैं। बता दें कि तीन फरवरी को थाना क्षेत्र की तीन बालिकाएं अचानक लापता हो गई थीं। इनके लापता होने से हड़कंप मच गया था। परिजनों ने गुमशुदगी दर्ज कराई थी। एसपी ने लापता बालिकाओं की खोज के लिए सोनहा के थानेदार के नेतृत्व में टीम गठित की थी। थानेदार के अनुसार, छानबीन के दौरान तीनों बालिकाओं को लोकेशन मुंबई में मिला। इसके बाद थाने की एक टीम मुंबई रवाना की गई, जहां तीन मिल गईं। इन्हें बस्ती ले आया गया है।

### दो बाइकों की टक्कर में दो घायल

वाल्टरगंज। थाना क्षेत्र के बस्ती-बांसी मार्ग पर पुरैना चौराहे के पास सोमवार की शाम दो बाइकों की आमने-सामने की टक्का हो गई। दोनों बाइक चालक घायल हो गए। एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल भेजवाया गया। जानकारी के अनुसार, मझौआमीर के गुड्डू बाइक से बस्ती से रुधौली की तरफ जा रहे थे। थाना क्षेत्र के ही बनकसिया गांव निवासी विनय रुधौली से बस्ती की तरफ जा रहे थे। दोनों पुरैना चौराहे पर पहुंचे थे, तभी दोनों बाइक सवार की आमने-सामने की टक्कर हो गई। दोनों के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को एंबुलेंस जिला अस्पताल भेजवाया।

### पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय फेरसहन में चोरी

कप्तानगंज (बस्ती)। थाना क्षेत्र के पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय फेरसहन में रविवार की रात अज्ञात चोरों ने कीमती सामान चुरा ले गए। विद्यालय के शिक्षक ने घटना की लिखित तहरीर पुलिस को दी है। चोरों ने विद्यालय में लगे औषधीय एवं फूलों के पौधे, करीब आठ प्लास्टिक के गमले, आठ डस्टबिन, पौधों की सिंचाई के लिए लगाए गए प्लास्टिक पाइप, पावदान सहित क्यारियों में लगे पौधे चुरा ले गए। इसके अलावा विद्यालय परिसर के बाहर रखे गए सभी डस्टबिन भी उठा ले गए। सोमवार की सुबह जब शिक्षक स्कूल पहुंचे, तब सबकुछ गायब मिला। पुलिस का कहना है कि चोरी के मामले की छानबीन की जा रही है।

### अज्ञात वाहन की टक्कर से व्यक्ति घायल

नगर बाजार (बस्ती)। थाना क्षेत्र के ग्राम खुटहन के पास सोमवार को अज्ञात वाहन की चपेट में आकर एक शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के ग्राम बेलाड़ी निवासी बलविंदर सिंह किसी काम से जा रहे थे। अभी वह नगर थाना क्षेत्र के बस्ती-कलवारी मार्ग पर स्थित खुटहन के पास पहुंचे ही थे, तभी तेज रफ्तार जा रहे अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद समाजसेवी इरफान अंसारी ने पुलिस को सूचना देकर एंबुलेंस घायल को अस्पताल भेजवाया।

### पुलिस भी हुई असहज फूंक-फूंक कर रख रही कदम

बस्ती। दरोगा प्रकरण में पुलिस भी असहज है। एक तरफ स्टाफ का मामला है तो दूसरी ओर मामले के पदार्फाश का दबाव भी बढ़ने लगा है। सूत्रों के अनुसार पुलिस को दरोगा के कुछ करीबियों पर भी संदेह है। हालांकि पुलिस इस मुद्दे पर फूंक-फूंककर कदम उठा रही है। पुलिस पहले पूरे घटनाक्रम का साक्ष्य सहित ब्लू प्रिंट तैयार करने में जुटी है। पुलिस महकमे में चर्चा है कि थानाध्यक्ष का प्रभार संभाल रहे दरोगा अजय गौड़ का पांच फरवरी को लापता होने से पहले किसी करीबी से फोन पर विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि निकट के एक व्यक्ति को उन्होंने कुछ रुपये भी भेजे थे। बाद में संबंधित व्यक्ति ने उनके रुपये वापस कर दिए। चर्चा है कि इसके बाद दरोगा अजय गौड़ काफी व्यथित हुए थे। फिलहाल, इन मुद्दों पर पुलिस अभी खुलकर काम नहीं कर पा रही है। महकमे में प्रथमदृष्टया दरोगा के खुदकुशी करने की चर्चा है। सीओ हरैर्या स्वर्णिमा सिंह एवं स्वाट और एसओजी टीम दरोगा से जुड़े डिजिटल साक्ष्य एकत्र करने में जुटी है।

## जेंडर ट्रांसफरमेटिव शिक्षा के माध्यम से ही आएगा शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक बदलाव। यूटीजीएनए के गठन में हुई चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य में बालिका शिक्षा को अधिक समान, गुणवत्तापूर्ण और परिवर्तनकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उत्तर प्रदेश ट्रांसफॉर्मेशन ऑफ गर्ल एजुकेशन एलायंस नेटवर्क (यूटीजीएनए) का औपचारिक शुभारंभ मंगलवार को लखनऊ में किया गया। यह नेटवर्क राज्य में बालिका शिक्षा पर कार्यरत नागरिक समाज संगठनों का एक सहयोगी मंच है, जो जेंडर ट्रांसफोरमेटिव एजुकेशन के माध्यम से शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक और प्रणालीगत बदलाव लाने के उद्देश्य से गठित किया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए स्वतालीम फाउंडेशन के सह संस्थापक वैभव कुमार ने यूटीजीएनए की यात्रा बताते हुए सभी संस्थानों के मंच पर आने को एक सुनहरा अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संस्थानों के सामूहिक प्रयास से सरकार द्वारा करे जा रहे किशोरियों की शिक्षा और लैंगिक समानता के प्रयासों को बल मिलेगा और बदलाव की दिशा में यह एक सकारात्मक पहल साबित होगा।

# शिवरात्रि पर निकलेगी भोले की बारात, अचलेश्वर पर तीन दिन होगा तुला दान

■ ग्वालियर

महाशिवरात्रि सर्वार्थ सिद्धि, अमृत योग एवं श्रवण नक्षत्र के संयोग में 15 फरवरी रविवार को मनाई जाएगी। इस दिन गुप्तेश्वर महादेव मंदिर से भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जाएगी। वहीं श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पर तीन दिन तक तुलादान किया जाएगा। मंदिर भी तीन दिन तक लगातार भक्तों के लिए खुले रहेंगे।

गुप्तेश्वर महादेव मंदिर के पुजारी अशोक वित्थरिया ने बताया कि इस दिन सुबह 11 बजे मंदिर से भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली जाएगी, जो विभिन्न मार्गों से होती हुई श्री अचलेश्वर महादेव मंदिर पहुंचेगी। भगवान शिव के रथ को भक्तों द्वारा खींचा जाएगा। शाम 5 बजे के उपरांत बारात लौटकर गुप्तेश्वर मंदिर पर आएगी। भगवान की बारात में भूत-प्रेत और झांकियां मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहेंगी। उन्होंने बताया कि मंदिर तीन दिन तक भक्तों के लिए खुला रहेगा।

**गेहूं, चावल और शक्कर का होगा दानः** श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास के व्यवस्थापक राजेश पाराशर ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिर में 14 से 16 फरवरी तक गेहूं, चावल, शक्कर, सभी तरह की दालें, घी, तेल, सब्जियां एवं अन्य सामानों का तुला दान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह तुलादान उदयपुर और राजस्थान की तर्ज पर किया जा रहा है।

### चार प्रहर पूजा का समय

ज्योतिषाचार्य हुकुमचंद जैन ने बताया कि शिवरात्रि पर चार प्रहर की पूजा की जाएगी। प्रथम प्रहर पूजा 15 फरवरी शाम 06:11 से रात्रि 09:23 बजे तक होगी। द्वितीय प्रहर पूजन का समय रात्रि 09:23 से रात्रि 12:35 बजे तक रहेगा। तृतीय प्रहर पूजन रात्रि 12:35 से 03:47 बजे तक रहेगा। चतुर्थ प्रहर पूजन का समय रात्रि 03:47 से सुबह 06:59 बजे तक रहेगा। निशिता काल का पूजन रात्रि 12:09 बजे से 01:01 बजे तक कुल 51 मिनट का समय रहेगा।

## टोपी बाजार में अस्थाई अतिक्रमण हटाया

■ ग्वालियर

नगर निगम के मदाखलत अमले द्वारा सुगम यातायात के लिए शहर के विभिन्न स्थानों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। मदाखलत अधिकारी रवि कोरी ने बताया कि नोडल अधिकारी केशव सिंह चौहान के निर्देशन में दक्षिण विधानसभा अंतर्गत महाराज बाड़ा स्थित सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट एवं टोपी बाजार में दुकानों के बाहर रखे सामान को अंदर कराया जाकर काउंटर टेबल स्टैंड आदि सामान जब्त किया गया। इसके साथ ही दुकानदारों को सख्त हिदायत दी गई कि निर्धारित सीमा के बाहर सामान रखकर किसी प्रकार का अतिक्रमण न करे। कार्रवाई में मदाखलत निरीक्षक विशाल जाटव सहित दक्षिण विधानसभा अमला उपस्थित रहा।

### 30 पेंशनर्स गौरव रत्न अवार्ड से सम्मानित

**ग्वालियर।** शासकीय सेवानिवृत्त पेंशनर्स एसोसिएशन का प्रांतीय अधिवेशन एवं शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को मध्य प्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स में आयोजित किया गया। इस मौके पर 80 वर्ष से अधिक 30 पेंशनरों को पेंशनर गौरव रत्न अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक मोहन सिंह राठौड़ थे। उन्होंने विधायक निधि से कार्यालय की व्यवस्था के लिए 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। अध्यक्षता श्याम बिहारी भार्गव ने की। कार्यक्रम में वीरेंद्र शर्मा को प्रांत अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, अशोक पटसारिया, आरके मिश्रा, अशोक भार्गव, डॉ. प्रताप शंकर भार्गव, बीएम त्रिवेदी, आनंद स्वरूप मिश्रा आदि उपस्थित रहे। संचालन अरविंद शुक्ला ने किया।

### ग्राहकों को एमएसएमई की जानकारी दी

**ग्वालियर।** सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया द्वारा आउटरीच कैंप का आयोजन गत दिवस ग्वालियर एवं मुरैना में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बैंक और ग्राहकों के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना था। कार्यक्रम के दौरान ग्राहकों को बैंक की विभिन्न एमएसएमई (सूक्ष्म लघु एवं उद्यम) योजनाओं की जानकारी दी गई। अध्यक्षता क्षेत्रीय प्रमुख धर्मेन्द्र कुमार ने की। इस अवसर पर केंद्रीय कार्यालय मुंबई के उपमहाप्रबंधक रवि वैद्य, चेम्बर ऑफ कॉमर्स के मानसेवी सचिव दीपक अग्रवाल, ग्राहक मुन्नालाल गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

### विस्तृत कर लो हृदय को, तो बन जाए स्वर्ग

**ग्वालियर।** ब्रजकमल साहित्य द्वारा अनुपम नगर में काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि नयन किशोर श्रीवास्तव एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदीप पुष्पेंद उपस्थित थे। अध्यक्षता अनिल राही ने की। इस मौके पर नयनकिशोर श्रीवास्तव ने आओ गिल्ली डंडा खेलें, माचिस की फिर बन जाएं रेलें। अनंगपाल सिंह अनंग ने विस्तृत कर लो हृदय को, तो बन जाए स्वर्ग, दिल के ऊपर लो बना, एक और अपवर्ग। रामलखन शर्मा ने चुकाई देशभक्तों ने हमेशा आन की कीमत, लगाई पर नहीं अपनी कभी भी जान की कीमत। दिनेश बिकल ने साथ लेकर सबको चलना, मुमकिन है आसान नहीं, जो मिले उस जैसा ढलना, मुमकिन है आसान नहीं। अनिल राही ने सौ बरस से जलता आया, दीप अखण्ड महान, शांतिकुंज से जग में फैला मानवता का ज्ञान। इसी क्रम में आरती अक्षत, कमलेश कमल, रेखा दीक्षित, आदित्य अंशुधर एवं डॉ. आलोक पुरोहित ने काव्य पाठ किया। संचालन जगमोहन श्रीवास्तव ने किया।

### सोनल अध्यक्ष और संगीता सचिव बनी

**ग्वालियर।** अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन महिला परिषद ग्वालियर शाखा की नई कार्यकारिणी का चुनाव शुक्रवार को तेरापंथी धर्मशाला में हुआ। जिसमें अध्यक्ष सोनल जैन, सचिव संगीता पांड्या, सह सचिव प्रीति गोधा तथा कोषाध्यक्ष ममता को चुना गया। निर्वाचन अधिकारी माधवी शाह, मनोरमा पांड्या, अरुणा कासलीवाल तथा वीना गंगवाल रहीं।

### सीएमएचओ कार्यालय से गेट व खिड़की चोरी

**ग्वालियर।** शहर के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) कार्यालय में रविवार और सोमवार की दरमियानी रात चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोर कार्यालय परिसर में घुसकर वहां पास में पड़ा टीन का गेट एवं खिड़की चोरी कर ले गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद सीएमएचओ द्वारा थाटीपुर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसके आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चोरी की घटना के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर एक मैसेज तेजी से वायरल होने लगा, जिसमें दावा किया गया कि सीएमएचओ कार्यालय से अंधत्व निवारण समिति से संबंधित महत्वपूर्ण फाइलें चोरी हो गईं हैं। वायरल मैसेज से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप की स्थिति बन गई। हालांकि अंधत्व निवारण समिति के नोडल अधिकारी डॉ. गजराज सिंह गुर्जर ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि कार्यालय से समिति से जुड़ी कोई भी फाइल चोरी नहीं हुई है।

### डीडी नगर गेट नंबर 2 तक चलाया सफाई अभियान

**ग्वालियर।** नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत शहर में वायु सुधार के लिए जन जागरूकता कार्य के अंतर्गत मेगा ड्राइव फॉर माइक्रो डस्ट क्लीनिंग अभियान अंतर्गत गुर्जर चौराहा से डीडी नगर गेट नम्बर 2 तक अभियान चलकर रोड की सफाई की गई। इस दौरान दीपाली पांडे, क्षेत्रीय अधिकारी राजेश सिंह भदौरिया, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. वैभव श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

# मित्रता कृष्ण और सुदामा जैसी होः आचार्य दिनेश

■ ग्वालियर

वर्तमान में सच्चे मित्र मिलना दुर्लभ है। जग में मित्रता हो तो भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा जैसी होना चाहिए। सुदामा के चरणों का कांटा भगवान ने अपने मुख से निकाला। वर्तमान युग में ऐसा कौन है जो मित्र के दुःख को बांटने के लिए अपने सुख छोड़ दे। संसार वाले तो मित्रता की आड़ में कांटे चुभाते हैं, लेकिन कांटे निकालने का कार्य भगवान गोविन्द करता है।

यह विचार गिरगांव स्थित लोढ़ी माता मंदिर में पटेल परिवार की ओर से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य दिनेश शास्त्री महाराज ने व्यक्त किए। कथा में विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर उपस्थित रहे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अपने छोटे से जीवन में प्राणी को परमात्मा से रिश्ता जरूर बनाना चाहिए, क्योंकि परमात्मा से ही बना रिश्ता प्राणी को मोक्ष की तरफ ले जाएगा। भागवत कथा की आरती में पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य अशोक जैन, अशोक जादौन, महेश उमरैया, चौधरी धर्मवीर सिंह, चौधरी भीकम सिंह, विवेक शर्मा, अमरीश शर्मा एवं पंकज पाठक उपस्थित रहे।

**गायत्री चेतना केंद्र पर महारुद्राभिषेक 15 को :** अखिल विश्व गायत्री परिवार गायत्री चेतना केंद्र पर महाशिवरात्रि के अवसर पर 15 फरवरी को महारुद्राभिषेक का आयोजन किया जाएगा। चेतना केंद्र के व्यवस्थापक संजय शर्मा ने बताया कि जो परिजन जोड़े से कार्यक्रम में शामिल होना चाहते हैं वह कार्यालय में अपना पंजीयन करा सकते हैं।

**भगवान की कृपा से मिट जाते हैं संकटः**

चकलेश्वर धाम में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के अंतिम दिन सोमवार को आचार्य रवि तिवारी ने कहा कि भगवान की कृपा से बड़े से बड़े संकट मिट जाते हैं। आरती में संत गोपाल शरण महाराज, कथा संयोजक केशव पांडे, श्याम श्रीवास्तव, अनिल शंकर नंद गिरि आदि शामिल हुए।

## परमार्थ में विश्वास का महत्व अधिकः ओंकार बुवा

परमार्थ में विश्वास का महत्व अधिक है। जन्म से मृत्यु तक मनुष्य सुख के लिए जीता है। परंतु सुख के साथ दुःख सदैव लगा रहता है, क्योंकि सुख और दुख एक दूसरे के पूरक हैं। यह विचार धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुंबई से आए कीर्तनकार ओंकार बुवा ने सोमवार को दाल बाजार स्थित आबा महाराज मंदिर में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मनुष्य के लिए जो अनुकूल है वह सुख और जो प्रतिकूल है वह दुख। उन्होंने कहा कि संत संगति से आनंद प्राप्त होता है। परंतु देहबुद्धि के कारण हम आनंद से दूर रहते हैं। इसकी प्राप्ति के लिए श्रद्धा और विश्वास की आवश्यक्ता होती है जो हमें सद्गुरु कृपा से प्राप्त होती है।

## भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रमुख स्रोत हैं महाकवि भवभूति के नाटक

**ग्वालियर।** कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर तथा महाकवि भवभूति शोध एवं शिक्षा समिति, ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय महाकवि भवभूति समारोह के अंतर्गत राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का उद्घाटन सोमवार को प्रातः 11 बजे जीवाजी विश्वविद्यालय में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य मुख्य अतिथि,केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के संयुक्त निदेशक (प्रकाशन) प्रो. सुज्ञान कुमार माहान्ति सारस्वत अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अध्यक्षता भारतीय यात्रा एवं प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर के निदेशक प्रो. आलोक शर्मा ने की। कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा ने संस्कृत के जनमानस पर सकारात्मक प्रभाव की चर्चा की। सारस्वत अतिथि प्रो. सुज्ञान कुमार माहान्ति ने भवभूति के जीवन और कृतित्व के उजले पक्षों को रेखांकित करते हुए कहा कि वे सत्यपालन में कठोर और भावाभिव्यक्ति में अत्यंत कोमल हैं। मुख्य अतिथि प्रो. राजकुमार आचार्य ने कहा कि महाकवि भवभूति केवल कवि नहीं, बल्कि आदर्श विचारों के मूर्त रूप हैं। उन्होंने घोषणा की कि विश्वविद्यालय परिसर में शीघ्र ही महाकवि भवभूति की प्रतिमा स्थापित की जाएगी। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. आलोक शर्मा ने कहा कि भवभूति के नाटक यात्रा-अवसरों पर मंचित होते रहे हैं और यह समारोह संस्कृत से जनसंपर्क तथा उसमें निहित ज्ञान के प्रति जिज्ञासा जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

# 14 वर्ष की देरी न्याय के उद्देश्य को पूरा नहीं करती, प्राथमिकी निरस्त

■ ग्वालियर

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में 14 वर्ष पूर्व नकली स्टांप शुल्क और नोट बनाने के बहुचर्चित मामले में एक आरोपी के खिलाफ इतनी लंबी जांच प्रक्रिया को उच्च न्यायालय ने उचित नहीं मानते हुए इसे न्याय के उद्देश्य से परे बताते हुए प्राथमिकी निरस्त करने के आदेश दिए हैं।

8 सितंबर वर्ष 2011 को बहोड़ापुर थाना पुलिस ने आनंद नगर में एक फ्लैट में छापामार कार्रवाई करते हुए नकली नोट और स्टांप छापने के आरोपी परसराम नरवरिया और सुनील श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया था। साथ ही इन दोनों आरोपी ने बयान दिया था कि वह नकली स्टांप ईदगाह कंपू निवासी आरिफ खान को देते हैं जो इन्हें बेचने का काम करता है। इस आधार पर पुलिस ने आरिफ को भी आरोपी बनाया था। 11 नवंबर 2025 को जिला न्यायालय ने परसराम नरवरिया को पांच वर्ष की सजा सुनाई जबकि सुनील श्रीवास्तव को फरार घोषित किया। वहीं दूसरी ओर बहोड़ापुर थाना पुलिस ने घोर लापरवाही का परिचय देते हुए आरिफ के खिलाफ विवेचना जारी रखते हुए उसे मुक्त नहीं किया। तब आरिफ ने पुलिस अनुसंधान की 14 वर्ष की देरी को लेकर उच्च न्यायालय की ग्वालियर खंडपीठ में मिसलेनियस अपराध याचिका दायर की। जिसमें संविधान के अनुच्छेद 21 और 14 का हवाला देते हुए जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का और समानता की गारंटी का उल्लंघन बताया। जिससे मानसिक पीड़ा, सामाजिक कलंक और अभियोजन की निरंतरता से खतरा उत्पन्न हुआ। विवेचना में 14 वर्ष की देरी स्पष्ट रूप से मनमानी और दमनकारी है यह किसी वैध कानूनी उद्देश्य की पूर्ति नहीं करती। इसमें विधिक प्रक्रिया का घोर उल्लंघन दिखाई देता है। इस तरह न्यायालय ने सीआरपीसी की धारा 482 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए बहोड़ापुर थाना में आरिफ खान के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी अपराध क्रमांक 383/2011 को निरस्त करने के आदेश दिए हैं। साथ ही सभी लंबित कार्रवाई रद्द कर दी है।

### गणेश बाग मंदिर में किया शिला पूजन

**ग्वालियर।** रामाजी का पुरा, बहोड़ापुर स्थित गणेश बाग मंदिर में रविवार को शिला पूजन यज्ञ किया गया। मंदिर को दिव्य एवं भव्य बनाने के लिए किए जा रहे शिला पूजन यज्ञ में नागरिक सहकारी बैंक ग्वालियर के महाप्रबंधक दीपक हीरानी, डायरेक्टर संजीव गोयल, प्रदीप गोयल, विवेक भार्गव, लोचन सूरी, अजय बांदिल, नीरज जी, बैंक अध्यक्ष अतुल अधोलिया, गणेश बाग मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष एवं अधिवक्ता मानसिंह जादौन, जागेश्वर सिंह भदौरिया, पप्पू वर्मा, राजू गोस्वामी, मध्य भारत शिक्षा समिति अध्यक्ष राजेंद्र बांदिल, रामपाल भदौरिया, रामचंद्र यादव, डॉ. हेमन्त गर्ग आदि शामिल रहे।

## आईटीएम में 12 फरवरी से इबारत-18 का दो दिवसीय आयोजन

**ग्वालियर।** आईटीएम विश्वविद्यालय में उर्दू कविता का वार्षिक प्रतिष्ठित आयोजन इबारत-18 12 एवं 13 फरवरी को आयोजित किया जाएगा। उर्दू के महान कवि मीर तकी मीर को समर्पित इस दो दिवसीय समारोह में देश-विदेश के ख्यातनाम रचनाकार शिरकत करेंगे। कार्यक्रम का आयोजन आईटीएम के तुरारी परिसर स्थित उस्ताद अलाउद्दीन खान सभागार एवं सिथौली परिसर के नाद मुक्ताकाश में किया जाएगा। समारोह के प्रथम दिवस 12 फरवरी को इश्क, इंसानियत और मीर विषय पर विद्वत विमर्श होगा। इस अवसर पर पद्मश्री से अलंकृत शीन काफ निजाम पर मुझे गुफ्तगू अवाम से है विषय पर तथा प्रो. शाफे किदवाई मीर की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखेंगे। द्वितीय दिवस 13 फरवरी को मुशायरे का आयोजन होगा, जिसमें स्वामी ओमा द अक्क इश्क बिन ये अदब नहीं आता का विवेचन करेंगे। इसके बाद प्रोफेसर वसीम बरेलवी (बरेली), खुशबीर सिंह (जालंधर), डॉ. नुसरत मेहदी (भोपाल) एवं पूजा भाटिया (मुंबई) अपनी रचनाओं का पाठ करेंगी।

# बजट से नारी शक्ति व विकसित भारत के संकल्प को मिलेगी मजबूतीः परांजपे

■ ग्वालियर

भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी परांजपे ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत केंद्रीय बजट नारी शक्ति को सशक्त बनाने, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के संकल्प को मजबूती प्रदान करने वाला है। वे महिला संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट में सभी वर्गों का ध्यान रखा गया है, विशेष रूप से महिलाओं के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्वरोजगार से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई है। श्रीमती परांजपे ने बताया कि इस बजट में विदेश में पढ़ाई करने वाली छात्राओं की छात्रवृत्ति राशि डेढ़ गुना बढ़ाई गई है। साथ ही महिलाओं को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी 15 लाख रुपए तक का ऋण देने का प्रावधान किया गया है, जिससे महिलाएं नौकरी मांगने वाली नहीं बल्कि नौकरी देने वाली बन सकें। उन्होंने कहा कि सरकार लखपति दीदी योजना के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का कार्य कर रही है। प्रत्येक जिले में बालिकाओं के लिए छात्रावास निर्माण से उच्च शिक्षा को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा कि यह बजट शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार को प्राथमिकता देने वाला है। उन्होंने अपनी विधानसभा में महिलाओं को सशक्त करने हेतु बिजली की चक्की सहित अन्य सामग्री वितरण की जानकारी दी। भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए 'लोकल फॉर वोकल' को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अवसर पर महिला सीए मोना सिंघल ने बजट की बारीकियों से महिलाओं को अवगत कराया। मंच पर भिण्ड जिला पंचायत अध्यक्ष कामना सिंह भदौरिया, पूर्व जिलाध्यक्ष अभय चौधरी एवं कमल माखीजानी, पूर्व महापौर समीक्षा गुप्ता, खुशबू गुप्ता, सुमन शर्मा उपस्थित रहीं। स्वागत भाषण महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नीलिमा शिंदे ने दिया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री करुणा सक्सैना ने किया एवं आभार डॉ. अंजलि रायजादा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. रीता मिश्रा एवं डॉ. अनुपमा मित्तल ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

## बेकरी से क्रीम व मैदा, होटल से दही और आटे के नमूने जांच के लिए भेजे

■ ग्वालियर

शहरवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देशानुसार जिला खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा लगातार निरीक्षण एवं सैंपलिंग की जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को विभागीय टीम ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर नमूने एकत्र किए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कृष्णा कॉलोनी, सिकंदर कम्पू स्थित राठौर बेकरी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बेकरी में साफ-सफाई, खाद्य सामग्री के भंडारण एवं निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। टीम ने क्रीमरोल निर्माण में उपयोग किए जा रहे मैदा, क्रीम तथा तैयार क्रीमरोल के नमूने लिए। इसके पश्चात टीम ने डी.डी. नगर स्थित श्री गंगा पैलेस होटल पहुंचकर होटल की किचन का निरीक्षण किया। यहां से दही एवं आटे के नमूने एकत्र कर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि सभी नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश कुमार शिरोमणि एवं लोकेन्द्र सिंह उपस्थित रहे।

**बार बार करें एनाउसमेंट, वर-वधू पक्ष के 4-4 लोग स्वागत द्वार पर रहें**

# मैरिज गार्डन में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर लगाम लगाने संचालकों के साथ हुई पुलिस की बैठक

■ ग्वालियर

शहर के मैरिज गार्डनों में बढ़ती चोरी की घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन ने संचालकों के साथ बैठक आयोजित की। बैठक में संचालकों को सुझाव दिए गए कि वह बार बार एनाउसमेंट कराएं कि महिलाएं अपने बैग गहने नकदी सामान का ध्यान रखें। साथ ही बांउसरों को भी गार्डन में कार्यक्रम के दौरान तैनात किया जाए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनु बेनीवाल सहित पचास से ज्यादा संचालक मौजूद थे।

प्रायः मैरिज गार्डनों में चोरी की घटनायें लगातार घटित हो रही है जो चिन्ताजनक है। चोरी करने वालों में नावालिग बच्चे शामिल रहते हैं पुलिस प्रशासन ने चोरी की बढ़ती घटनाओं को कैसे रोका जाए पुलिस नियंत्रण कक्ष में संचालकों के साथ मंथन किया। इस दौरान निर्देश दिए गए कि विवाह समारोह के समय बार-बार अनाउंसमेंट कराया जावे कि महिलायें अपने गहने, बैग व नगदी आदि सामान का ध्यान रखें। साथ ही यातायात व्यवस्था में कोई व्यवधान नहीं आए वह सड़क पर गाड़ी खड़ी न होने दें। चिन्हित पार्किंग में ही वाहनों को खड़ा कराएं। बैठक में यातायात डीएसपी अजीत चौहान सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे।

### ये निर्देश भी दिए

▶▶विवाह में वर व वधू पक्ष के लोग जो अवांछित आगंतुक हैं उन पर नजर रखें। उन पर संदेह होने पर संबंधित थाने की पुलिस को तथा डायल-112 को अविलंब सूचना दें।

▶▶प्रत्येक गार्डन विवाह में शामिल संख्या के आधार पर वॉलेन्टियर/गार्ड रखना सुनिश्चित करें।

▶▶वॉलंटियर व गार्ड, गार्डन के अंदर के अलावा बाहर आमरोड पर मार्ग में यातायात व्यवस्था अवरूद्ध न हो इस हेतु सुनिश्चित रहेंगे।

▶▶सभी वॉलेन्टियर व गार्ड, गार्डन की निर्धारित वेशभूषा/गणवेश में होना चाहिए।

▶▶संबंधित मैरिज गार्डन यातायात थाना तथा स्थानीय पुलिस थाना को विवाह दिनांक व समय तथा वॉलन्टियर आदि की विस्तृत जानकारी संख्यात्मक 03 दिवस पूर्व ही देंगे।

▶▶प्रत्येक मैरिज गार्डन 15 दिवस से 1 माह तक की सीसीटीव्ही रिकॉर्डिंग व्यवस्था रखेंगे।

▶▶प्रत्येक मैरिज गार्डन में लगभग 35 प्रतिशत पार्किंग एरिया रखेंगे।

▶▶प्रत्येक मैरिज गार्डन में शस्त्र प्रदर्शन एवं फायरिंग पूर्णतः प्रतिबंधित हो।

### 100 बच्चों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

**ग्वालियर, न.सं.।** महिला शक्ति मंच द्वारा दिव्यांग प्रतिभा एवं ब्राइडल मेकअप शो का आयोजन ग्वालियर व्यापार मेले में किया गया। जिसमें 100 से अधिक बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं महिला शक्ति मंच एवं जान्हवी डांस अकादमी की तरफ से महिला सुरक्षा विषय पर नृत्य किया गया। कार्यक्रम में भारत की वीरांगनाओं और उनकी प्रतिभा को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। इस मौके पर अतिथि के रूप में महिला थाना प्रभारी रश्मि भदौरिया, गिरजा गर्ग, आशीष राठौर, संस्था की संस्थापक तारा शाह, प्रीति शर्मा, ममता, पिंकी, सविता, संगीता रहीं। इस मौके पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

## संपादकीय

# किसानों की आशंकाएं

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलतरू कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

# नये दौर के प्रेम में शोर कम, समझ ज्यादा

एक फ्लैट में दो लोग अपने-अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरूआत कर रहे हैं और हां, आज 14 फरवरी है यानी प्रेम का दिन वेलेंटाइन डे। लेकिन आसपास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का सा मुस्कुराता चेहरा। यह फिल्म की भाषा में कहें तो परफेक्ट सीन है। जी हां, यही 2026 का प्यार रू शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ। इन दिनों प्यार दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। बेशक प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के साथ संग आ गया है और हां, मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा है। आज की पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत।

आजकल की पीढ़ी का प्रेम शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा है। वह दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। प्रेम ने अपना रूप बदला लेकिन गहराई नहीं खोई। दरअसल नयी पीढ़ी को प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में नहीं देखती। उनके लिए प्यार, साझेदारी व मिल-बांटकर उठायी जाने वाली जिम्मेदारियों का नाम है। कपल मिलकर कैरियर योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर बात करते हैं। मुश्किल में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। यह स्पष्टता रिश्तों को मजबूत बनाती है। सुबह के 7 बजे हैं। एक फ्लैट में दो लोग अपने-अपने लैपटॉप खोलकर दिन की शुरूआत कर रहे हैं और हां, आज 14 फरवरी है यानी प्रेम का दिन वेलेंटाइन डे। लेकिन आसपास न कहीं गुलाब है, न कोई मोमबत्ती और न आपस में कोई फिल्मी डायलॉग। हां, टेबल पर रखी दो कप चाय और एक-दूसरे की तरफ बढ़ा हुआ हल्का सा मुस्कुराता चेहरा। यह फिल्म की भाषा में कहें तो परफेक्ट सीन है। जी हां, यही 2026 का प्यार रू शांत-सजग-व्यावहारिक और भरोसे से भरा हुआ। इन दिनों प्यार दो दशक पहले जैसा नहीं रहा। बेशक प्रेम ने अपना रूप बदला है। लेकिन गहराई नहीं खोई। प्रेम अब दिखावे से निकलकर समझदारी, व्यावहारिकता और लाइफस्टाइल के साथ संग आ गया है और हां, मानसिक सुरक्षा भी पहले से कहीं ज्यादा है। आज की पीढ़ी के पास प्यार को सिर्फ फीलिंग के रूप में देखने की न तो जरूरत है और न ही इतनी फुर्सत। उनके लिए प्यार, साझेदारी का नाम है। मिलकर उठायी जाने वाली जीवन की जिम्मेदारियों का नाम है। इसलिए अब कपल मिलकर कैरियर की योजना बनाते हैं। खर्च और बचत पर बात करते हैं। घरेलू और बाहरी जिम्मेदारियों को ईमानदारी से बांटना स्वीकार करते हैं और



मुश्किल समय में एक-दूसरे का सहारा बनते हैं। आजकल, ह्लतुम मुझसे कितना प्यार करते होह्ल से ज्यादा यह अहम हो गया है, ह्लहम एक-दूसरे के लिए कितने भरोसेमंद हैंह्ल। प्यार में इतनी स्पष्टता पहले कभी नहीं रही। कपल अब यह कहने से नहीं डरते कि वो चाहते क्या हैं और साफ-साफ यही बताते हैं कि वो क्या नहीं चाहते। मसलन- उन्हें शादी करनी है या नहीं। बच्चे चाहिए या नहीं। एक-दूसरे के लिए कितना स्पेस चाहिए और सबसे बड़ी बात यह है कि वो किस तरह का जीवन जीना चाहते हैं। यह स्पष्टता रिश्तों को ज्यादा मजबूत बनाती है। क्योंकि भ्रम पर टिके रिश्ते जल्दी थक जाते हैं और सच्चाई के सहारे आगे बढ़ने वाले रिश्ते दूर तक जाते हैं। आज युवा इस बात को भली भांति जानते हैं कि उनका मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है, जितना कि शारीरिक। पार्टनर्स एक दूसरे की थकान को समझते हैं। एंगजाइटी और तनाव पर बेझिझक बात करते हैं और जरूरत पड़ी तो प्रोफेशनल्स की मदद लेने से भी नहीं कतराते। युवा एक-दूसरे से बड़ी सहजता से कहते हैं, आज मेरा मन ठीक नहीं। क्योंकि वो जानते हैं कि उनके इस वाक्य को गलत शब्द और संदर्भ में नहीं लिया जायेगा। पुरानी पीढ़ी के लोग भले टेक्नोलॉजी को कितना कोसते हों, लेकिन युवाओं के लिए टेक्नोलॉजी अलगाव का नहीं बल्कि जुड़ाव का जरिया है। भले पहले के लोग मानते हों कि मोबाइल और इंटरनेट रिश्तों का दुश्मन है। लेकिन 2026 में प्यार करने वाले युवा इससे कतई सहमत नहीं। इसलिए वे वीडियो पर साथ खाना खाते हैं, एक-दूसरे को वायज नोट्स भेजते हैं, उनकी प्लेलिस्ट साझा होती है और ऑनलाइन कैलेंडर में डेट-नाइट भी फिक्स करते हैं। अब प्रोफेशनल युवा मानते हैं कि रिश्ता मालिकाना हक नहीं, बराबरी का संबंध है, इसलिए बेझिझक और बिना किसी हैंगओवर के घरेलू काम दोनों मिलकर करते हैं। फैसले मिलकर लेते हैं। एक-दूसरे के कैरियर को सम्मान देते हैं। इनके बीच 70 के दशक की फिल्मों के यह डायलॉग शायद ही कहीं सुनने को मिलते हों, ह्लमैं तुम्हारे बिना कुछ नहीं हूंह्ल बल्कि इसकी जगह यह डायलॉग आम है, ह्लमैं तुम्हारे साथ और बेहतर बनता-बनती हूंह्ल। आज के प्यार की मजबूती सेल्फ लव है। क्योंकि 2026 में नई पीढ़ी को यह बात अच्छी तरह से समझ में आती है कि खुद से प्यार करना स्वार्थ नहीं, प्यार की समझ होना है। इसलिए युवा अपने शौक के लिए समय निकालते हैं, अपने रिश्तों की सीमाएं तय करते हैं और हर वक्त उपलब्ध रहने की मजबूरी से दूर रहते हैं। क्योंकि जब कोई खुद संतुलित होता है, तभी किसी रिश्ते में स्वस्थ योगदान दे पाता है। दरअसल, आज वेलेंटाइन डे केवल गिफ्ट्स एक्सचेंज का दिन नहीं रहा। यह समझदारी भरी बातचीत का दिन है, एक-दूसरे को ध्यान से सुनने का दिन है, भविष्य की योजनाएं साझा करने का दिन है और यह आभार जताने का भी दिन है। आज के युवा इस दिन साथ बैठकर एक-दूसरे के लिए प्यार और मनुहार के गीत नहीं गाते। अपने लक्ष्य तय करते हैं। फाइनेंशियल प्लानिंग बनाते हैं और इस दिन फोन को साइड पर रखकर एक-दूसरे से बातें करते हैं यानी यह दिन दिखावे का नहीं जुड़ाव का है। क्योंकि प्यार की नई भाषा और नई परिभाषा यही है। आज की पीढ़ी का प्यार अगर कुछ डायलॉग्स में देखना हो तो ये देखिये-ह्लह्लतुम आराम करो, मैं संभाल लूंगाध्लूंगीह्ल। ह्लह्लतुम्हारी बात समझ में आ रही है?ह्ल ह्ल ह्लतुम जैसे हो, वैसे ही ठीक हो।ह्ल

ये छोटे-छोटे वाक्य आज के वास्तविक प्रेम संदेश हैं। इसलिए 2026 का प्यार रिश्तों की नई सोच और नई समझ का प्यार है। क्योंकि अब प्रेम परिपक्व हो रहा है, कमजोर नहीं। खुली और ईमानदार बातचीत, आपसी सम्मान, भावनात्मक सुरक्षा, व्यक्तिगत स्पेस की समझ, साझा लक्ष्य, मेंटल हेल्थ को महत्व, बराबरी का व्यवहार व मुश्किल समय में साथ। आज का प्यार भले परफेक्ट न हो, लेकिन क्या ईमानदार बनने की, ईमानदार कोशिश है। क्योंकि आज का युवा जान चुका है, वास्तविक रिश्ते फिल्मी नहीं होते बल्कि रोज-रोज की छोटी-छोटी कोशिशों से बनते हैं। कभी चाय बनाकर देना, कभी बिना पूछे गले लगा लेना, कभी चुपचाप बैठ जाना और कभी सिर्फ आंखों में आंख डालकर एक नजर देख लेना। आज यही रोमांस है। वेलेंटाइन डे 2026 हमें याद दिलाता है कि प्यार खत्म नहीं हुआ, बस समझदार हो गया है। अब यह शोर नहीं मचाता बल्कि गहराई से जुड़ता है। अब यह दिखता कम है, लेकिन महसूस ज्यादा होता है। शायद यही आज के प्यार की सबसे खूबसूरत पहचान है।

# नाजी जर्मनी की तरफ बढ़ता भारत

मुख्यमंत्री पद के लिए ली गई संवैधानिक शपथ की तो धज्जियां वो सांप्रदायिक जहर उगलते हुए लगातार उड़ा ही रहे हैं, अब वो अदालती निर्देश की भी परवाह नहीं कर रहे हैं। क्या हिमंता बिस्वासरमा गुजरात मॉडल के कारण निश्चिंत हैं, जहां अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत और हिंसा का जानलेवा माहौल बना, लेकिन सत्ता पर बैठे लोगों का बाल भी बांका नहीं हुआ। बल्कि आगे उन्हें पदोन्नत कर शिखर पर बिठा दिया गया। 2002 में गुजरात के कारण सवाल उठने लगा था कि क्या हम नाजी जर्मनी के दौर में पहुंच रहे हैं, लेकिन तब ये सवाल एक राज्य तक ही सीमित था। अब इसका दायरा बढ़ते हुए राष्ट्रव्यापी हो चुका है। इक्का-दुक्का राज्यों को छोड़कर हर जगह सांप्रदायिक नफरत घुन की तरह व्यवस्था के भीतर पैठ जमा चुकी है। लगभग रोजाना ऐसी खबरें आती हैं, जहां केवल धर्म के नाम पर किसी नागरिक या नागरिकों को प्रताड़ित किया जाता है। लेकिन अभी असम से जो खबरें आई हैं, वो बेहद चिंताजनक है। भारतीय जनता पार्टी की असम ईकाई ने अपने आधिकारिक श्एक्स्य अकाउंट से 7 फरवरी को एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसे एक दिन बाद ही हटा दिया गया लेकिन अभी भी सोशल मीडिया पर यह उपलब्ध है। वीडियो में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा को हथियार से लैस दिखाया गया है और वे मुसलमान दिख रहे लोगों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें गोली मार रहे हैं। इस विवादित वीडियो में इस्तेमाल की गई तस्वीरों और श्पॉइंट ब्लैंक शॉटश और श्कोई दया नहींश जैसे बयान भी हैं, जो सीधे-सीधे नरसंहार के लिए उकसाने वाले हैं।

शाहीन अब्दुल्ला बनाम भारत संघ (2022) मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने घृणास्पद बयान यानी हेट स्पीच के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कोर्ट ने सभी राज्योंध्केंद्रशासित प्रदेशों को स्वतरू संज्ञान लेकर शिकायत का इंतजार किए बिना अपराधियों के खिलाफ तत्कालीन आईपीसी की धारा 153 ए, 153 बी, 295 ए और 505 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया था। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि पुलिस को औपचारिक शिकायत के अभाव में भी नफरत भरे भाषणों के मामलों में स्वतरू संज्ञान लेकर कार्रवाई करनी चाहिए और कोई भी निष्क्रियता या हिचकिचाहट कर्तव्य की गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। तो सवाल यह है कि क्या असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा शीर्ष अदालत के इस निर्देश से भी परे हैं। मुख्यमंत्री पद के लिए ली गई संवैधानिक शपथ की तो धज्जियां वो सांप्रदायिक जहर उगलते हुए लगातार उड़ा ही रहे हैं, अब वो अदालती निर्देश की भी परवाह नहीं कर रहे हैं। क्या हिमंता बिस्वासरमा गुजरात मॉडल के कारण निश्चिंत हैं, जहां अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत और हिंसा का जानलेवा माहौल बना, लेकिन सत्ता पर बैठे लोगों का बाल भी बांका नहीं हुआ। बल्कि आगे उन्हें पदोन्नत कर शिखर पर बिठा दिया गया। 2002 में गुजरात के कारण सवाल उठने लगा था कि क्या हम नाजी जर्मनी के दौर में पहुंच रहे हैं, लेकिन तब ये सवाल एक राज्य तक ही सीमित था। अब इसका दायरा बढ़ते हुए राष्ट्रव्यापी हो चुका है। इक्का-दुक्का राज्यों को छोड़कर हर जगह सांप्रदायिक नफरत घुन की तरह व्यवस्था के भीतर पैठ जमा चुकी है। लगभग रोजाना ऐसी खबरें आती हैं, जहां केवल धर्म के नाम पर किसी नागरिक या नागरिकों को प्रताड़ित किया जाता है। लेकिन अभी असम से जो खबरें आई हैं, वो बेहद चिंताजनक है। भारतीय जनता पार्टी की असम ईकाई ने अपने आधिकारिक श्एक्स्य अकाउंट से 7 फरवरी को एक वीडियो पोस्ट किया था, जिसे एक दिन बाद ही हटा दिया गया लेकिन अभी भी सोशल मीडिया पर यह उपलब्ध है। वीडियो में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वासरमा को हथियार से लैस दिखाया गया है और वे मुसलमान दिख रहे लोगों को निशाना बना रहे हैं और उन्हें गोली मार रहे हैं। इस विवादित वीडियो में इस्तेमाल की गई तस्वीरों और श्पॉइंट ब्लैंक शॉटश और श्कोई दया नहींश जैसे बयान भी हैं जो सीधे-सीधे नरसंहार के लिए उकसाने वाले हैं। इस वीडियो पर कांग्रेस, शिवसेना, राजद, एआईएमआईएम जैसे विपक्षी दल तो सवाल उठा रहे हैं, लेकिन असल में कार्रवाई की ताकत जिनके पास है, उनकी चुप्पी बेहद डरावनी लग रही है। डर लग रहा है कि असम में अभी किए जा रहे इस प्रयोग को अगर बाकी देश पर भी किया गया तो क्या होगा। केंद्र सरकार यानी नरेन्द्र मोदी, अमित शाह जैसे लोगों से कोई उम्मीद नहीं है कि वे इस बारे में या हिमंता बिस्वासरमा के खिलाफ कुछ कहेंगे। क्योंकि यह सब उनकी ही शह पर हो रहा होगा, अन्यथा कोई भाजपाई मुख्यमंत्री इतना दुस्साहस नहीं दिखा सकता। राष्ट्रपति महोदया भी केवल दही-चीनी खिलाने को ही अपना काम मान बैठी हैं। जब वे मणिपुर पर चुप रहीं तो असम पर भी चुप रहेंगी। चुनाव आयोग से भी कोई उम्मीद रखना बेमानी है। जब 2024 के चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी खुलेआम ज्यादा बच्चों वाला तंज मुसलमानों पर कस रहे थे, या झारखंड चुनाव में घुसपैठियों के नाम पर मुसलमानों के खिलाफ वीडियो बनाए जा रहे थे, आयोग तब भी सब देखता रहा और अब भी वह कुछ नहीं कहेगा। लेदेकर उम्मीद बचती है सर्वोच्च न्यायालय से, लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वहां भी खामोशी ही है। आश्चर्य है कि माननीय न्यायालय को 2022 का दिया गया अपना ही निर्देश याद क्यों नहीं है। अगर इस मामले में अदालत की तरफ से कार्रवाई के निर्देश आते हैं, तब तो देश, संविधान, लोकतंत्र के बचे रहने की उम्मीद भी बचेगी, वर्ना विपक्ष अपनी तरफ से इन्हें जिंदा रखने की जो लड़ाई लड़ रहा है, बस वही आसरा अब रह गया है। ऐसा नहीं है कि हिमंता बिस्वा सरमा ने संवैधानिक पद पर होने के बावजूद अल्पसंख्यक समुदाय के खिलाफ पहली बार जहर उगला है, वे तो लगातार इस नफरत को बढ़ाते ही जा रहे हैं। कुछ वक्त पहले डिगबोई में उन्होंने कहा था कि श्मियां मुसलमानों को किसी भी तरीके से परेशान करो। अगर वे परेशानी का सामना करेंगे, तो वे असम से चले जाएंगे। तब भी सवाल उठे थे, लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई तो अब हिमंता बिस्वासरमा सीधे अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का आह्वान कर रहे हैं। भारत में नफरत भरी भाषा, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और अल्पसंख्यकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा एक आम भारतीय के लिए चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि भाजपा को इसमें सत्ता का लाभ मिल रहा है, लेकिन नागरिकों के लिए अमन-चैन, रोजगार, शिक्षा और तमाम सुविधाएं छिनने के खतरे बढ़ रहे हैं। सेंटर फॉर स्टडी ऑन हेट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में देशभर में 1,318 नफरती भाषणों की घटनाएं दर्ज की गईं, जो 2024 के मुकाबले 13 प्रतिशत ज्यादा है।

# सुरों का नया आकाश तलाशने को ग्लैमर के संगीत से दूरी

स्वतंत्रता सेनानी के रूप में उन्हें स्वीकृत 500 रुपये की सरकारी पेंशन लेने से भी उन्होंने यह कहकर मना कर दिया था कि उन्होंने आजादी की लड़ाई पेंशन के लिए थोड़े ही लड़ी थी। खुद्दार तो वे इतने थे कि उन्हें अपनी संतानों, परिजनों व शुभचिंतकों से किसी भी रूप में आर्थिक सहायता लेना गवारा नहीं था। सरकार द्वारा घर देने के प्रस्ताव को भी उन्होंने ठुकरा दिया था। उनके पास अपना घर तक नहीं था तो कार या कोई और वाहन होने का सवाल ही नहीं था। इसलिए राजधानी दिल्ली में वे प्राय: बसों से आते-जाते दिखाई देते थे। बाद में उनकी अहमदाबाद वासी बेटी से उनकी दुर्दशा नहीं देखी गई तो वह उन्हें किसी तरह समझा-बुझाकर अपने साथ ले गईं। वर्ष 1998 में 15 जनवरी को अपने सौवें जन्मदिन से कुछ महीनों पहले उन्होंने वहीं अंतिम सांस ली। निधन से कोई साल भर पहले 1997 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया गया, जबकि पद्मविभूषण से पहले से विभूषित किया जा चुका था। अपने मंत्रिकाल में वे भ्रष्टाचार को लेकर इतने असहिष्णु थे कि भ्रष्टाचारी कितना भी प्रभावशाली या ह्लअपनाह्ल क्यों न हो, उसे बख्शते नहीं थे। एक बार इसी के चलते उन्हें अपना मंत्री पद भी गंवा देना पड़ा था। यह जानना भी दिलचस्प है कि वे जितने बड़े राजनेता, उतने ही अच्छे अर्थशास्त्र के जानकार व लेखक भी थे। उन्होंने कई किताबें तो लिखी ही हैं, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और 1947 में इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस की स्थापना में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अरिजीत सिंह का फिल्मी गायन से मोहभंग होने का फैसला संगीत जगत के लिए बहुत बड़ी घटना है। जिनकी आवाज ने तुम ही हो, चन्ना मेरेया और रोंगटी जैसे गीतों से लाखों दिलों को छू लिया, उसने अचानक फिल्मी गायन को अलविदा कह दिया। उनके इस पलायन का फिल्म उद्योग पर गहरा असर होगा। इस पार्श्व गायक ने एक दशक में दर्जनों हिट एल्बम दिए, राष्ट्रीय पुरस्कार जीते और प्लेबैक सिंगिंग को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। उनकी सादगी, भावपूर्ण गायकी और युवाओं से जुड़ाव ने उन्हें सुपर स्टार सिंगर बना दिया। लेकिन, अब यह विदाई क्यों! निजी कारण, इंडस्ट्री की कमियां या नई राह की तलाश! अरिजीत के बिना फिल्मी संगीत में सूनापन आना तय है। इससे नए गीतकारों के लिए चुनौती बढ़ेगी और प्रशंसक हताश होंगे। फिल्मों के पार्श्व गायन के इतिहास में कुछ आवाजें कान तक पहुंचती हैं, लेकिन कुछ सीधे रूह में उतरती हैं। मोहम्मद रफी, किशोर कुमार और सोनू निगम के बाद अगर किसी एक नाम ने पूरे देश की धड़कन को नियंत्रित किया, तो वह हैं अरिजीत सिंह। हाल के दिनों में उनके फिल्मी गायकी से दूरी बनाने की चचाओं ने प्रशंसकों को उदास कर दिया। लेकिन, गहराई से देखें तो यह अंत नहीं एक रूपांतरण है। एक कलाकार जब अपनी कला के चरम पर होता है, तो वह अक्सर व्यावसायिकता की बेड़ियां तोड़कर संगीत की शुद्धता की ओर लौटना चाहता है। अरिजीत का फिल्मों से मोहभंग होना दरअसल उनके संगीत के प्रति उस गहरे प्रेम का हिस्सा है, जो वास्तविक कला की तलाश में है। अरिजीत ने कई बार संकेत दिया कि फिल्म इंडस्ट्री का काम करने का तरीका थका देने वाला है। यह भी कि फिल्मों में संगीत कहानी के अधीन होता है, जिससे कलाकार की रचनात्मक आजादी बाधित होती है। उन्होंने अपना खुद का लेबल ओरियन म्यूजिक शुरू किया, जिसके जरिए वे गैर-फिल्मी, शुद्ध संगीत को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके अलावा वे बंगाली संगीत से भी अपनी जड़ों की ओर लौट रहे हैं। बंगाली लोक संगीत व स्वतंत्र गीतों पर अधिक ध्यान दे रहे। अरिजीत सिंह के संन्यास या फिल्मों में कम सक्रिय होने की खबर ने संगीतकारों के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा कर दिया कि अरिजीत के बाद कौन! पिछले एक दशक में लगभग हर फिल्म में दूसरा हिट गाना उनकी आवाज में रहा। उनकी गैरमौजूदगी में फिल्म संगीत में जो खालीपन आएगा। अरिजीत सिंह का फिल्मों से मोहभंग होना, उनके ह्लसंगीतह्ल के खत्म होने का संकेत नहीं, बल्कि यह उनके ह्लसंगीतज्ञह्ल के रूप में पुनर्जन्म जैसा है। वे एक ऐसे कलाकार हैं जो जब स्टेज पर उतरते हैं, तो लाखों की भीड़ को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। उनका संन्यास दरअसल व्यावसायिक शोर से ह्लमौनह्ल की तरफ की एक यात्रा है। वे आगे भी संगीत से जुड़े रहेंगे और शायद अब वे हमें वह संगीत देंगे, जो फिल्मी कथानक की मांग से नहीं, बल्कि उनके दिल की गहराई से निकलेगा। अरिजीत सिंह अंतर्मुखी हैं, लेकिन उनका कैरियर विवादों से अछूता नहीं रहा। सलमान खान की फिल्म ह्लसुल्तानह्ल के गाने ह्लजग घूमेयाह्ल का विवाद तो जगजाहिर है। एक अवॉर्ड फंक्शन के दौरान अरिजीत और सलमान के बीच हल्की नोकझोंक का परिणाम यह हुआ कि फिल्म ह्लसुल्तानह्ल से अरिजीत का गाना हटा दिया। सलमान के साथ उनके रिश्ते लंबे समय तक ठंडे रहे। अरिजीत की सफलता का बड़ा राज उनकी गायकी की विविधता को माना जा सकता है। उनके पास एक ऐसी आवाज है, जो अकेलेपन का दर्द बयां करती है। ह्लजुदा होके भीह्ल जैसे गानों में उनकी आवाज का कंपन रूह कंपा देता है। उनकी गायकी की जड़ें हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत में भी गहरी हैं, जो लाल इश्क जैसे कठिन गीतों में स्पष्ट दिखती है। जहां तक मॉडर्न टेक्सचर की बात है, तो वे जैज, रॉक और सूफी को भी उतनी ही सहजता से गाते हैं। वे अक्सर मीडिया और रियलिटी शो के बनावटीपन की आलोचना करते रहे। एक बार रिकॉर्डिंग स्टूडियो में फोटोग्राफर्स के साथ उनकी झड़प की भी चर्चा हुई। उन्होंने स्वीकार किया कि आजकल गानों में पिच करेक्शन का इस्तेमाल होता है, जिसे लेकर संगीत उद्योग के पुराने दिग्गजों में बहस छिड़ गई थी। उनके लिए सफलता का मतलब दिखावा नहीं है। यही वजह है कि करोड़ों कमाने वाले इस सिंगर ने गांव की शांति चुनी। उनका फिल्म संगीत से संन्यास का फैसला युवाओं को प्रेरित करेगा कि शोहरत के बाद भी अपनी जड़ों को न भूलें। लेकिन, उनकी आवाज बिना रोमांटिक ट्रैक्स सूने पड़े रहेंगे। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के एक कस्बे जीगंज से निकलकर मुंबई की चकाचौंध में अपनी जगह बनाना उनके लिए आसान नहीं था। 2005 में ह्लफेम गुरुकुलह्ल जैसे रियलिटी शो से बाहर होने के बाद, उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने संगीतकार प्रीतम के साथ बतौर असिस्टेंट काम किया और प्रोग्रामिंग सीखी। यह तकनीकी समझ ही आज उनके संगीत को दूसरों से अलग बनाती है। साल 2013 में आई फिल्म ह्लआशिकी 2ह्ल के गाने ह्लतुम ही होह्ल ने उन्हें रातों-रात ग्लोबल आइकन बनाया। इसके बाद चन्ना मेरेया, फिर ले आया दिल और ह्लहवाएंह्ल जैसे गानों ने उन्हें वह मुकाम दिया जहां उनकी तुलना दिग्गज गायकों से होने लगी। अरिजीत सिंह की कहानी सिर्फ गानों की नहीं, बल्कि एक साधारण इंसान की है जो ग्लैमर की दुनिया में रहने के बावजूद जमीन से जुड़ा रहा। वे मुंबई के अपने अपार्टमेंट में सिर्फ काम के लिए जाते हैं, उनकी असल जिंदगी तो जीगंज में ही बीतती है। वे सड़कों पर घूमते हैं, बच्चों को लोकल स्कूल में पढ़ाते हैं। कभी अमीरी का दिखावा नहीं किया। सादगी उनके फैसले की जड़ में है। प्लेबैक सिंगिंग में फिल्मों की डिमांड, डेडलाइन और कंपोज आते हैं। अरिजीत हमेशा कहते रहे कि वो आजाद संगीतकार बनाना चाहते थे। ह्लफेमह्ल से पहले की वो दुनिया उन्हें ज्यादा पसंद है, जहां प्रयोग और व्यक्तिगत एक्सप्रेशन मायने रखते थे। अरिजीत का फिल्म संगीत सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। 2016 में सुल्तान का विवाद चरम था। जग घूमेया उनका गाया रोमांटिक ट्रैक था, जो सलमान खान और अनुष्का शर्मा पर फिल्माया गया। लेकिन, रिलीज में राहत फतेह अली खान का वर्जन रखा गया। अरिजीत ने सोशल मीडिया पर सलमान से सार्वजनिक माफी मांगीरू ह्लप्लीज मेरा गाना न हटाएं, उसी के साथ रिटायर होने दें। पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन हंगामा मच गया। फिर भी, अरिजीत रुके नहीं। हर फिल्म में उनका गाना मिलता रहा। 2023 में ह्लटाइगर 3ह्ल ने सुलह कराई।

## विधानपरिषद में गूंजा भर्ती में आरक्षण का मुद्दा पिछडे और अनुसूचित वर्ग के साथ नहीं होने देगें अन्याय- केशव

लखनऊ,(संवाददाता)। विधानपरिषद में आज विपक्षी सदस्यों ने भर्ती में आरक्षण का मुद्दा उठाया।विपक्षी सदस्यों ने सरकार पर आरक्षण में धांधली का आरोप लगाया। विपक्ष के प्रश्न का उत्तर देते हुए नेता सदन विधानपरिषद और डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने साफ कहा, सरकार अन्याय नहीं होने देगी।आज विधान परिषद में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में उप मुख्यमंत्री एवं नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने सरकारी भर्तियों में आरक्षण के विषय पर सरकार का पक्ष स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार सामाजिक न्याय के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है और आरक्षण नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया गया है। श्री मौर्य ने सदन को अवगत कराया कि प्रदेश के समस्त विभागों को स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं, जिनमें सभी भर्तियों में आरक्षण संबंधी नियमों का शत-प्रतिशत पालन के निर्देश जारी किये गये हैं। किसी भी स्तर पर नियमों की अनदेखी स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि किसी भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों के उल्लंघन की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कराई जाएगी तथा दोषी अधिकारियों और कर्मचारियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

# रोज सुबह पी लो ये जूस, बीमारियां रहेंगी दूर और चेहरे पर आएगा निखार

सर्दियों के मौसम में गाजर और चुकंदर का सेवन बहुत लाभदायक माना जाता है। अधिकतर लोग इसे सलाद, सूप या सब्जी के रूप में खाते हैं, लेकिन गाजर और चुकंदर का जूस पीना भी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यह जूस पोषक तत्वों से भरपूर होता है और कई बीमारियों से बचाव करने में सहायक होता है। लेकिन इसका सेवन सही समय और सही तरीके से करना जरूरी है। आइए जानते हैं कि इसे कब और कैसे पीना चाहिए और इसके क्या-क्या फायदे हैं।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने के फायदे

इम्यूनिटी को बढ़ाए

गाजर और चुकंदर के जूस में विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसका नियमित सेवन सर्दी-खांसी और अन्य संक्रमण से बचाने में सहायक हो सकता है।

पाचन तंत्र को करे मजबूत

इस जूस में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करता है। यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं को कम करने में सहायक हो सकता है।

वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं तो गाजर और चुकंदर का जूस आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। इसमें फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जिससे पेट अधिक समय तक भरा रहता है और भूख कम लगती है।

हृदय को रखे स्वस्थ

यह जूस दिल की सेहत के लिए भी लाभदायक है। इसमें मौजूद नाइट्रेट्स ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं और हृदय संबंधी बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

शरीर को करे डिटॉक्स

गाजर और चुकंदर का जूस शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। यह विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालकर लिवर की कार्यक्षमता को बेहतर बनाता है।

गाजर और चुकंदर का जूस पीने का सही समय

वैसे तो इस जूस को दिन के किसी भी समय पिया जा सकता है, लेकिन सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से अधिक लाभ मिलता है। सुबह इसका सेवन करने से शरीर को तुरंत पोषण मिलता है और यह दिनभर ऊर्जा बनाए रखने में सहायक होता है।

गाजर और चुकंदर का जूस कितने दिन तक पीना चाहिए?

अगर आप पूरी तरह स्वस्थ हैं तो इस जूस का सेवन रोजाना किया जा सकता है। लेकिन यदि आपको डायबिटीज, किडनी की समस्या या कोई अन्य स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो डॉक्टर से सलाह लेने के बाद ही इसका सेवन करें। अधिक मात्रा में इसका सेवन करने से कुछ लोगों को नुकसान भी हो सकता है।

गाजर और चुकंदर का जूस बनाने का तरीका

गाजर और चुकंदर का जूस बनाने के लिए आप निम्नलिखित विधि अपना सकते हैं।

सामग्री

1 मध्यम आकार की गाजर
1 छोटा चुकंदर
आधा कप पानी (वैकल्पिक)
नींबू का रस (स्वाद अनुसार)
काला नमक (स्वाद अनुसार)

बनाने की विधि

गाजर और चुकंदर को अच्छी तरह धोकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इन्हें मिक्सी में डालकर अच्छी तरह ब्लेंड कर लें। जरूरत के अनुसार थोड़ा पानी मिलाकर फिर से ब्लेंड करें। इस जूस को छानकर एक गिलास में निकाल लें। इसमें थोड़ा नींबू का रस और काला नमक मिलाएं। ताजा जूस तुरंत पिएं, जिससे इसके पोषक तत्व नष्ट न हों।

सावधानियां: अत्यधिक मात्रा में सेवन करने से शरीर में शुगर का स्तर बढ़ सकता है। कुछ लोगों को चुकंदर के जूस से एलर्जी हो सकती है, इसलिए पहली बार सेवन करने से पहले कम मात्रा में पिएं। यदि आप किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रसित हैं, तो इस जूस का सेवन करने से पहले डॉक्टर से परामर्श लें। गाजर और चुकंदर का जूस सेहत के लिए बेहद फायदेमंद होता है, लेकिन इसे सही मात्रा और सही समय पर पीना जरूरी है। रोजाना सुबह खाली पेट इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है, पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और हृदय स्वस्थ रहता है। हालांकि, किसी भी समस्या से बचने के लिए सीमित मात्रा में इसका सेवन करें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सलाह लें।

## कछुआ एक ऐसा जीव, जिसके बारे में जाननी चाहिए ये 5 महत्वपूर्ण बातें

कछुआ एक ऐसा जीव है, जो अपने कवच की वजह से मशहूर है। यह एक अनोखा जीव है, जो पानी और जमीन दोनों पर रहता है। कछुए कई प्रकार के होते हैं और हर प्रकार के कछुए का अपना अलग-अलग अनोखा तरीका होता है। इस लेख में हम आपको कछुए से जुड़ी कुछ रोचक बातें बताने जा रहे हैं, जो शायद आपने पहले कभी नहीं सुनी होंगी। कछुए की उम्र होती है बहुत लंबी कछुए की उम्र बहुत लंबी होती है। कुछ प्रकार के कछुए तो 100 साल से भी ज्यादा जीते हैं। ग्रीक टर्टल नामक कछुए की उम्र तो 200 साल तक होती है। यह जानकर आप हैरान रह जाएंगे कि कुछ मामलों में कछुए की उम्र उनके मालिक से भी ज्यादा लंबी हो सकती है। इसलिए



अगर आपके पास कोई पालतू कछुआ है तो उसकी देखभाल अच्छे से करें ताकि वह लंबे समय तक आपके साथ रह सके। कछुए के कवच का होता है अलग-अलग रंग कछुए का कवच अलग-अलग रंगों में आता है। कुछ कछुओं का कवच हरा होता है तो कुछ का भूरे रंग का होता है। इस रंग की वजह से ही उन्हें पहचानने में मदद मिलती है। इसके अलावा कुछ प्रकार के कछुए जैसे कि लाल कान वाला कछुआ का कवच नीले रंग का भी होता है। यह जानकारी जानकर आप हैरान रह जाएंगे कि कछुए का कवच उनके लिए सुरक्षा कवच के साथ-साथ पहचान का भी माध्यम होता है। कछुए पानी और जमीन दोनों पर रहते हैं कछुए पानी और जमीन दोनों पर रहते हैं। कुछ प्रकार के कछुए केवल पानी में रहते हैं, जबकि कुछ जमीन पर भी घूमते हैं। पानी में रहने वाले कछुए जैसे कि कछुआ कछुओं का आकार बड़ा होता है और उनका इस्तेमाल तैरने के लिए किया जाता है, वहीं जमीन पर घूमने वाले कछुए छोटे आकार के होते हैं और उनका इस्तेमाल खाने के लिए किया जाता है। इस प्रकार जानवरों में विविधता बनी रहती है। कछुए अपने आकार के अनुसार खाते हैं कछुए अपने आकार के अनुसार खाते हैं। छोटे आकार वाले कछुओं को पौधों या छोटे जीवों का आहार दिया जाता है, जबकि बड़े आकार वाले कछुओं को मांसाहारी आहार दिया जाता है। इसके अलावा कछुओं के आहार में फल, सब्जियां और अन्य पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थ भी शामिल होते हैं। इस प्रकार कछुओं का आहार उनके आकार और प्रकार के अनुसार निर्धारित किया जाता है ताकि वे स्वस्थ रह सकें और अपनी प्राकृतिक आदतें बनाए रख सकें। कछुए धीरे-धीरे चलते हैं कछुए धीरे-धीरे चलते हैं। उनकी चाल इतनी धीमी होती है कि इंसान आसानी से उन्हें पीछे छोड़ सकता है। हालांकि, पानी में वे तेजी से तैर सकते हैं। इस कारण उन्हें पानी में रहने वाले जीवों के साथ-साथ जमीन पर रहने वाले जीवों से अलग माना जाता है।

# हर साल हजारों बच्चे इस जानलेवा बीमारी का होते हैं शिकार, वैज्ञानिकों ने ढूंढ लिया बचाव का तरीका



भारत जैसे विकासशील देश में हैजा एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बना हुआ है। शोधकताओं ने अब हैजा संक्रमण से बचने के लिए एक टीका विकसित किया है जिसके सभी परीक्षण पूरी तरह सफल रहे हैं। विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि इस वैक्सीन की मदद से घातक संक्रामक रोगों की रोकथाम में मदद मिल सकती है। भारत में कालरा (हैजा) एक स्वास्थ्य समस्या रही है। विशेषकर बच्चों में इसका खतरा सबसे ज्यादा देखा जाता रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार साल 2024 में दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के पांच देशों में हैजा के कुल 19348 हैजा के मामले सामने आए, इसमें से 11140 मामले अकेले भारत से थे। इसी अवधि के दौरान भारत में कुल 58 मौतें हुईं। भारत जैसे विकासशील देश में हैजा एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या बना हुआ है। यह रोग वाइब्रियो कालरा नामक जीवाणु के कारण होता है, जो दूषित पानी या खाद्य पदार्थ के सेवन से शरीर में प्रवेश करते हैं। बच्चों में यह रोग तेजी से फैलता है और समय पर इलाज न होने पर यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। भारतीय शोधकताओं ने अब हैजा संक्रमण से बचने के लिए एक टीका विकसित किया है जिसके सभी परीक्षण पूरी तरह सफल रहे हैं। विशेषज्ञों ने उम्मीद जताई है कि इस वैक्सीन की मदद से घातक संक्रामक रोगों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

**भारत में हैजा रोग का खतरा**

हैजा एक तीव्र डायरिया रोग है जो शरीर में अत्यधिक पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी (डिहाइड्रेशन) का कारण बनता है। जिन स्थानों पर स्वच्छता की कमी होती है वहां पर इस रोग के फैलने का खतरा अधिक हो सकता है। भारत में हैजा से प्रभावित बच्चों की संख्या सटीक रूप से बताना कठिन है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्रों में कई मामलों की रिपोर्ट नहीं होती। डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ की रिपोर्ट (2023) के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 1.5 लाख से अधिक हैजा के मामले सामने आते हैं, जिनमें से लगभग 30% पीड़ित बच्चे होते हैं। भारत के पूर्वी राज्यों जैसे बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में हैजा के मामलों की दर अधिक पाई गई है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (ठऋह्लऱ-5) के अनुसार, भारत में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में डायरिया मृत्यु का एक प्रमुख कारण बना हुआ है, और इसमें हैजा की भूमिका महत्वपूर्ण है।

**भारत बायोटेक का कालरा वैक्सीन**

इस खतरनाक रोग की रोकथाम के लिए हैदराबाद स्थित भारत बायोटेक कंपनी ने कारगर टीका बना लिया है। कंपनी ने इस टीका को हिलचोल नाम दिया है। इसके तीनों ट्रायल्स के परिणाम काफी बेहतर रहे हैं। अब विशेषज्ञों को उम्मीद है कि जल्द ही ये बाजार में उपलब्ध हो सकती है।

**प्रभावी एंटीबॉडी पैदा करने में सक्षम है वैक्सीन**

वैक्सीन को लेकर कंपनी का दावा है कि परीक्षण के परिणाम में यह टीका एक वर्ष से अधिक आयु के सभी लोगों में पूरी तरह सुरक्षित और असरदार पाया गया है। यह हैजा बैक्टीरिया के दो प्रमुख स्ट्रेन ओगावा और इनाबा के खिलाफ एंटीबॉडी पैदा करने में सक्षम हैं। भारत बायोटेक ने जारी बयान में कहा है कि हिलचोल एक सिंगल-स्ट्रेन टीका है। यह विब्रियो कोलेरा जीवाणु के दो स्ट्रेन को निष्क्रिय करके बनाया है। इसमें खास किस्म की तकनीक का इस्तेमाल किया है जो अन्य टीकों में नहीं किया जाता है। इससे यह हैजा के दो अलग-अलग स्ट्रेन के खिलाफ एक जैसी सुरक्षा देने में मदद करता है। टीका की 14 दिन के भीतर दो खुराक लगवानी चाहिए।

**वैक्सीनेशन के साथ बचाव के अन्य उपाय भी जरूरी**

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, हैजा से बचाव के लिए वैक्सीनेशन के साथ दैनिक रूप से कुछ सावधानियां बरतते रहना भी आवश्यक है। गंदे और दूषित पेयजल से इसका खतरा अधिक रहता है।कई ग्रामीण और शहरी झुग्गी क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं होती, जिससे हैजा के बैक्टीरिया फैलते हैं। खुले में शौच, बिना हाथ धोए खाना खाना और घर के आसपास की गंदगी के कारण भी संक्रमण फैल सकता है। माता-पिता और बच्चों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता को लेकर पर्याप्त जानकारी की कमी संक्रमण का एक कारण हो सकती है। सड़क किनारे बिकने वाले खुले खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। बाढ़ या मानसून के समय जलभराव (दूषित जल) के कारण आप इसका शिकार हो सकते हैं। मानसून के दिनों में विशेष सावधानी बरतें।

## भेड़ से जुड़े ये 5 रोचक तथ्य नहीं जानते होंगे आप

भेड़ एक ऐसा जानवर है, जो अपने मुलायम ऊन के लिए जाना जाता है। इसके अलावा यह दूध का भी स्रोत है। भेड़ें कई प्रकार की होती हैं और हर प्रकार की अपनी खासियत के लिए जानी जाती हैं। इस लेख में हम आपको भेड़ से जुड़े कुछ ऐसे रोचक तथ्य बताएंगे, जो शायद आप नहीं जानते होंगे। ये तथ्य आपको भेड़ के बारे में और अधिक जानने की प्रेरणा देंगे।

**भेड़ें क्यों गोल-गोल चलती हैं?**

क्या आपने कभी गौर किया है कि जब एक झुंड में भेड़ें चलती हैं तो वे गोल-गोल घूमती हैं? इसका कारण है कि वे अपने साथी



भेड़ों के पीछे चलकर खुद को सुरक्षित महसूस करती हैं। गोल-गोल चलने से उन्हें अपने झुंड के अन्य सदस्यों के साथ जुड़े रहने में मदद मिलती है। इससे वे शिकारी जानवरों से भी बची रहती हैं और एकजुटता बनाए रखती हैं। भेड़ें अपने बच्चे को सूंधकर पहचानती भेड़ें अपने बच्चों को सूंघकर पहचानती हैं। जब एक भेड़ का बच्चा जन्म लेता है, तो उसकी मां उसे अपने शरीर की गंध से पहचानती है। यह गंध अन्य भेड़ों से अलग होती है, जिससे मां अपने बच्चे को आसानी से पहचान लेती है। इसके अलावा भेड़ें अपने बच्चों को अपने शरीर से रगड़कर भी पहचानती हैं। यह प्रक्रिया उनके लिए बहुत जरूरी होती है क्योंकि इससे वे अपने बच्चे को अन्य भेड़ों से अलग रख सकती हैं।

**भेड़ें क्यों घास खाते समय गर्दन हिलाती हैं?**

जब भेड़ें घास खाती हैं तो उनकी गर्दन स्वाभाविक रूप से हिलती रहती है। इसका कारण है कि उनकी शारीरिक बनावट ऐसी होती है कि उन्हें घास खाते समय गर्दन हिलानी पड़ती है ताकि वे आसानी से उसे पचा सकें। यह प्रक्रिया उनके लिए स्वाभाविक होती है और वे इसे बिना सोचे-समझे करती हैं। इसके अलावा भेड़ें अपने झुंड के अन्य सदस्यों के साथ जुड़े रहने के लिए भी ऐसा करती हैं।

**भेड़ें क्यों एक-दूसरे को चाटती हैं?**

भेड़ें एक-दूसरे को चाटती हैं ताकि वे खुद को स्वस्थ रख सकें। यह प्रक्रिया उनके लिए बहुत जरूरी होती है क्योंकि इससे उनकी त्वचा और बाल साफ रहते हैं, जिससे त्वचा पर मौजूद कीड़े-मकोड़े दूर रहते हैं। इसके अलावा चाटने से भेड़ों का आपस में बंधन भी मजबूत होता है। भेड़ें एक-दूसरे को चाटकर अपने साथी जानवरों के प्रति प्यार और देखभाल भी दिखाती हैं, जिससे उनका सामाजिक बंधन और भी मजबूत होता है। क्या सभी प्रजातियों की भेड़ें ऊन देती हैं? यह सच नहीं है कि सभी प्रजातियों की भेड़ें ऊन देती हैं। कुछ प्रजातियां बिना ऊन वाली होती हैं, जिन्हें श्रीलंका भेड़ कहा जाता है। इनकी त्वचा चिकनी होती है और इन्हें गर्म इलाकों में पाला जाता है। इस प्रकार भेड़ों से जुड़े ये रोचक तथ्य आपको उनके जीवनशैली और व्यवहार को बेहतर तरीके से समझने में मदद करेंगे।

## भारत में 10 प्रमुख बौद्ध मंदिर, जो हैं विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल

भारत बौद्ध धर्म की जन्मभूमि है। यहां भगवान गौतम बुद्ध की जन्मस्थली है, साथ ही भगवान बुद्ध ने यहां ज्ञान प्राप्त किया, उपदेश दिए। इन सभी घटनाक्रमों से जुड़े मंदिर व मठ भारत में आज मौजूद हैं, जो दुनिया भर से श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अगर आप आध्यात्मिक शांति, ऐतिहासिक रुचि या भव्य स्थापत्य की खोज में हैं, तो भारत के इन प्रसिद्ध बौद्ध स्थलों पर जरूर जाएं। यहां आपको



भारत में स्थित प्रमुख बौद्ध स्थलों के बारे में बताया जा रहा है, जो विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल होने के साथ ही आध्यात्मिक यात्रा का मार्ग भी दिखाते हैं। यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित यह मंदिर उस पवित्र स्थान पर बना है जहां भगवान बुद्ध ने बोधि वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त किया था। यहां स्थित वज्रासन (डायमंड थ्रोन) और पवित्र बोधि वृक्ष बौद्ध धर्म के सबसे प्रमुख चिन्ह हैं। यह स्थल आज भी आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक माना जाता है।

**नालंदा महाविहार, बिहार**

बिहार का नालंदा महाविहार प्राचीन काल का शिक्षा का केंद्र है। यह भी यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है। यहां के खंडहरों में आज भी मठ, स्तूप और कक्ष हैं जो बुद्धि ज्ञान को दशार्ते हैं। नालंदा बौद्ध अध्ययन और विचार विमर्श का महान केंद्र रहा है।

**थिकसे मठ, लद्दाख**

मिनी पोटाला पैलेस के नाम से मशहूर यह मठ अपनी 15 मीटर ऊंची मैत्रेय बुद्ध प्रतिमा और सिंधु घाटी पर उगते सूरज के अद्भुत नजारे के लिए प्रसिद्ध है। इसकी वास्तुकला और ऊंचाई श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर देती है।

**हेमिस मठ, लद्दाख**

हेमिस उत्सव के लिए प्रसिद्ध यह मठ पद्मसंभव के जन्मोत्सव का भव्य आयोजन करता है। मठ में दुर्लभ बौद्ध वस्तुएं संरक्षित हैं। साथ ही लद्दाख की सुंदर पहाड़ियां इस स्थान को अद्भुत बना देती हैं।

**गोल्डन टेम्पल, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश**

उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले में भगवान बुद्ध ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था। इसी स्थान पर गौतम बुद्ध का स्वर्ण मंदिर बना है जो कि ध्यान और शांति का केंद्र है। यहां की लेटी हुई बुद्ध प्रतिमा पर्यटकों को ध्यान और समर्पण की भावना से भर देती है।

# भूलकर भी दूध के साथ न खाएं ये चीजें

## नहीं तो हो सकती हैं ये गंभीर बीमारी

दूध हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें कैल्शियम, प्रोटीन, फाइबर, आयरन जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व होते हैं, जो हड्डियों को मजबूत बनाने और पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। दूध पीने से शरीर को ऊर्जा भी मिलती है और यह विकास में सहायक होता है। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार, कुछ चीजें हैं जिन्हें दूध के साथ नहीं खाना चाहिए, क्योंकि इनका सेवन करने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं।

मछली

दूध और मछली का एक साथ सेवन करना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मछली दोनों में प्रोटीन की अधिक मात्रा होती है, जो पाचन तंत्र पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती है। इस संयोजन से शरीर में पाचन क्रिया असंतुलित हो सकती है, जिससे पेट दर्द, उल्टी, और अन्य पाचन संबंधित समस्याएं जैसे गैस, अपच और पेट में भारीपन हो सकता है। इसके अलावा, इन दोनों के मिलाने से शरीर में विषाक्त तत्व उत्पन्न हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

खट्टे फल

नींबू, संतरा, मौसंबी जैसे खट्टे फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए। खट्टे फल में एसिड की अधिकता होती है, जो दूध के साथ मिलकर द्रव का खट्टापन बढ़ा सकती है और पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकती है। इससे पेट में जलन, एसिडिटी, और अपच की समस्या हो सकती है। विशेष रूप से यदि आप खट्टे फल खाते



हैं और फिर तुरंत दूध पीते हैं, तो यह दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट कर सकता है, जिससे पाचन तंत्र में असंतुलन हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप पेट में गैस, जलन और ताजगी की कमी महसूस हो सकती है।

नमक वाली चीजें

दूध के साथ नमक वाली चीजें जैसे चिप्स, नमकीन, या खारे पकवान खाना भी हानिकारक हो सकता है। नमक और दूध का मिश्रण शरीर में सोडियम और लैक्टोज के बीच असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। यह रक्तचाप को बढ़ा सकता है और दिल की बीमारियों के खतरे को बढ़ा सकता है। साथ ही, शरीर में पानी का असंतुलन हो सकता है, जिससे त्वचा की समस्याएं, जैसे सूजन और खुजली, और बालों का झड़ना भी हो सकता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र की समस्याओं को भी जन्म दे सकता है, जैसे गैस, एसिडिटी और पेट में भारीपन।

शहद

आयुर्वेद के अनुसार, दूध और शहद का एक साथ सेवन शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है। यह संयोजन पाचन तंत्र पर असर डाल सकता है और त्वचा पर मुंहासे, रैशेज और जलन जैसी समस्याओं को बढ़ा सकता है। शहद में प्राकृतिक शर्करा और दूध के प्रोटीन का मिलन शरीर में विषाक्त पदार्थों का निर्माण कर सकता है, जिससे शरीर की आंतरिक उर्जा असंतुलित हो सकती है। इसके अलावा, यह गैस्ट्रिक समस्याओं को भी उत्पन्न कर सकता है, जैसे कि अपच, पेट में भारीपन और ताजगी की कमी।

आलू

दूध के साथ आलू का सेवन भी नुकसानकारी हो सकता है। आलू में स्टार्च की अधिकता होती है, जो दूध के प्रोटीन के साथ रिएक्ट करके शरीर में गैस और पेट की समस्याएं उत्पन्न कर सकती है। यह संयोजन अपच, पेट दर्द और पेट में सूजन जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। आलू में मौजूद काबोर्हाइड्रेट और दूध के प्रोटीन मिलकर पाचन तंत्र को धीमा कर सकते हैं, जिससे पेट में भारीपन और असुविधा महसूस हो सकती है।

मिठाइयां

दूध के साथ मिठाइयां जैसे मिठा पनीर, गुलाब जामुन, रसगुल्ला आदि खाना सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। दूध और मिठा दोनों का संयोजन रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे शरीर में ऊर्जा की कमी और सुस्ती महसूस हो सकती है। साथ ही, यह शर्करा के अधिक सेवन के कारण मधुमेह के खतरे को बढ़ा सकता है। इस संयोजन से शरीर में गड़बड़ हो सकती है, जिससे थकान, वजन बढ़ना और अन्य शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं।

चाय या कॉफी

चाय या कॉफी के साथ दूध का सेवन कई बार पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। इन दोनों में मौजूद कैफीन और दूध के प्रोटीन का मिश्रण शरीर में पाचन प्रक्रिया को धीमा कर सकता है। इससे ऊर्जा का प्रवाह सही तरीके से नहीं हो पाता और नींद में खलल पड़ सकता है। अगर आप चाय या कॉफी पीते हैं, तो दूध का सेवन बाद में करना बेहतर है। साथ ही, यह संयोजन पाचन तंत्र में गैस और अपच जैसी समस्याएं भी उत्पन्न कर सकता है।

खजूर

दूध के साथ खजूर का सेवन भी सावधानी से करना चाहिए। खजूर में उच्च मात्रा में शुगर होती है, और जब इसे दूध के साथ मिलाया जाता है, तो यह शरीर में पित्त का असंतुलन उत्पन्न कर सकता है। पित्त बढ़ने से त्वचा पर रैशेज, मुंहासे और जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस संयोजन से शरीर में गर्मी का प्रभाव बढ़ सकता है, जो त्वचा की समस्याओं और गैस्ट्रिक समस्याओं का कारण बन सकता है। इन बातों का ध्यान रखते हुए, दूध का सेवन सही तरीके से करना चाहिए ताकि आपके शरीर को इससे अधिकतम लाभ मिल सके और कोई भी स्वास्थ्य समस्या न हो।

## बजट सत्रः दूसरे दिन शोक प्रस्ताव पास ,विधानसभा की कार्यवाही स्थगित

लखनऊ,(संवाददाता)। यूपी विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे दिन सदन में शोक प्रस्ताव पास हुआ। आज मंगलवार को दूसरे दिन भाजपा विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल व सपा विधायक विजय सिंह गौड़ के निधन पर शोक प्रस्ताव पास हुआ। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही कल 11 बजे तक स्थगित कर दी है। मुख्यमंत्री योगी समेत सभी दल के नेताओं ने अपने विचार रखे। प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी को हुआ था। बरेली की फरीदपुर सीट से दूसरी बार निर्वाचित हुए थे। वह मिलनसार, शिक्षित और जमीन से जुड़े नेता थे। समाज के सभी तबके के विकास के लिए समर्पित रहे। अपने क्षेत्र में बुनियादी सुविधाएं बढ़ावाएं। इतिहास संकलन समिति बरेली और जेएनयू की कार्यसमिति के सदस्य थे।

# नामीबिया को हराकर अंक तालिका में पाकिस्तान से ऊपर पहुंचा नीदरलैंड्स

**नई दिल्ली।** नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 156 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में लक्ष्य हासिल किया और सात विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ नीदरलैंड्स की टीम ग्रुप-ए में पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। टी20 विश्वकप 2026 का 10वां मैच नीदरलैंड्स और नामीबिया के बीच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेला गया। नीदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। नामीबिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 156 रन बनाए। जवाब में नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। बास डी लीडे ने 48 गेंद में नाबाद 72 रन की तूफानी पारी खेली और अपनी टीम को सात विकेट से जीत दर्ज करने में अहम

भूमिका निभाई। अंक तालिका का हाल इस जीत के साथ नीदरलैंड्स की टीम ग्रुप-ए में पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। ग्रुप-ए में भारत एक मैच में जीत और दो अंक लेकर शीर्ष पर है। उसका नेट रन रेट +1.450 है। वहीं, नामीबिया पर जीत के बाद नीदरलैंड्स के दो मैचों में एक जीत और एक हार के साथ दो अंक हैं। उसका नेट रन रेट +0.356 है। वहीं, पाकिस्तान की टीम एक मैच में एक जीत और दो अंक लेकर तीसरे स्थान पर है। उसका नेट रन रेट +0.240 है। नामीबिया -1.033 नेट रन रेट के साथ चौथे और अमेरिका -1.450 नेट रन रेट के साथ पांचवें स्थान पर है। अगर नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान को पहले मैच में हरा दिया होता तो ग्रुप का समीकरण दिलचस्प हो सकता था और नीदरलैंड्स की टीम सुपर-8 में जाने की मजबूत दावेदार होती। नीदरलैंड्स ने पाकिस्तान के खिलाफ लगभग जीता हुआ मैच गंवा दिया था। पाकिस्तान ने नीदरलैंड्स के खिलाफ 19.3 ओवर में जाकर लक्ष्य हासिल किया था। नीदरलैंड्स की पारी 157 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए नीदरलैंड की शुरूआत अच्छी नहीं रही। उसे 16 के स्कोर पर पहला झटका लगा। मैक्स ओडॉड सात रन बनाकर बर्नार्ड स्कोल्ज का शिकार बने। इसके बाद माइकल लेविट और बास डी लीडे के बीच दूसरे विकेट के लिए 30 रन की साझेदारी हुई। लेविट 15 गेंद पर एक चौके और तीन छक्के की मदद से 28 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें रुबेन ट्रंपलमैन ने पवेलियन भेजा। नीदरलैंड्स को तीसरा झटका कॉलिन एकरमैन के रूप में लगा। वह 28 गेंद में 32 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें निकोल लॉफ्टी ने आउट किया। एकरमैन और डी लीडे के बीच 70 रन की साझेदारी हुई। फिर स्कॉट एडवर्ड्स और डी लीडे ने 43 रन की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई। एडवर्ड्स नौ गेंद में एक चौका और एक छक्के की मदद से 18 रन और डी लीडे 48 गेंद में पांच चौका और चार छक्कों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। नामीबिया की पारी नामीबिया की भी शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। 10 के स्कोर पर लॉरेन स्टीनकैंप के रूप में पहला झटका लगा। वह छह रन बनाकर आर्यन दत्त का शिकार बने। इसके बाद जैन फ्रीलिंक और जेन निकोल ने दूसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को लोगन वान बीक ने तोड़ा। उन्होंने फ्रीलिंक को कैच आउट कराया। फ्रीलिंक 26 गेंद पर तीन चौके और एक छक्के की मदद से 30 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान गेरार्ड इरैसमस नौ गेंद पर 18 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बास डी लीडे ने आउट किया। जेन निकोल अर्धशतक से चूक गए और 38 गेंद में एक चौका और दो छक्कों की मदद से 42 रन बनाकर वान बीक की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद नामीबिया की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती रही। जेन ग्रीन नौ रन और रुबेन ट्रंपलमैन भी नौ रन बनाकर आउट हुए। जेजे स्मिट ने 15 गेंद पर एक चौका और दो छक्कों की मदद से 22 रन की पारी खेली। विलेम मायबर्ग चार रन बनाकर रन आउट हुए। डिलन लीचर छह रन बनाकर नाबाद रहे। नीदरलैंड्स की ओर से बास डी लीडे और लोगन वान बीक को दो-दो विकेट मिले। वहीं, आर्यन दत्त, फ्रेड क्लासेन को एक-एक विकेट मिला

## ऐसा खिलाड़ी मैंने कभी नहीं देखा 14 साल के वैभव सूर्यवंशी पर फिदा जोस बटलर

**नई दिल्ली।** बटलर ने वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह का टैलेंट उन्होंने पहले कभी नहीं देखा। वैभव ने अंडर-19 क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी से ऐसे रिकॉर्ड खड़े कर दिए हैं, जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से बिल्कुल अलग श्रेणी में ले जाते हैं। वह भारत के लिए अंडर-19 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। इंग्लैंड के स्टार खिलाड़ी जोस बटलर भी भारत के 14 साल के वैभव सूर्यवंशी के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने वैभव की तारीफ में कसीदे पढ़ते हुए उन्हें सर्वश्रेष्ठ बताया है। बटलर ने कहा कि उन्होंने अब तक जितने भी युवा खिलाड़ी देखे हैं, उनमें वैभव सर्वश्रेष्ठ हैं। वैभव ने अंडर-19 विश्वकप के फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 80 गेंद में 175 रन की पारी खेली थी। बटलर ने पॉडकास्ट में कही यह बात 'लव फॉर क्रिकेट' पॉडकास्ट में बात करते हुए बटलर ने कहा कि 14 साल की उम्र में जो कमाल वैभव कर रहे हैं, सोचिए जब वह 16, 18 या 20 साल के हो जाएंगे, तो क्या-क्या कमाल दिखाएंगे। उन्होंने कहा, 'अब तक मैंने जितने भी खिलाड़ी देखे हैं, उनमें वैभव सर्वश्रेष्ठ हैं। मैं इसलिए यह कह रहा हूं, क्योंकि 14 साल की उम्र में और कौन इतना कमाल दिखा रहा था। अगर वह 14 साल की उम्र में ऐसा कर रहे हैं तो आगे चलकर और क्या-क्या कमाल दिखाएंगे।' पॉडकास्ट में बटलर के साथ पहुंचे मार्क वुड भी मौजूद थे। उन्होंने बटलर का जवाब देते हुए कहा, 'यह आपकी ओर से दिया गया बहुत बड़ा बयान है।' वुड ने पूछा, 'क्या आप उन्हें आगे चलकर एक सुपरस्टार के रूप में देखते हैं या फिर आपको लगता है कि आगे चलकर उनका करियर पटरी से उतर जाएगा?' वुड के सवाल पर बटलर का जवाब इसके बाद जवाब में बटलर ने कहा कि सूर्यवंशी के टैलेंट पर कोई सवाल नहीं है। 14 साल की उम्र में ऊंचाइयों तक पहुंचना तारीफ के काबिल है। वह आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय बनकर अपने टैलेंट को साबित किया है। बटलर ने कहा, 'मुझे इसमें शक नहीं कि वह आगे चलकर बड़े स्टार बनेंगे और वह बनें भी क्यों न! 14 साल की उम्र में वह जैसा खेल रहे हैं और अगर वह आईपीएल में न खेले होते तो आप कह सकते थे कि हां उन्होंने यह कमाल सिर्फ अंडर-19 विश्वकप में किया है।

## पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं गांगुली ने सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम को बताया मजबूत

**कोलकाता।** भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली पाकिस्तान के खिलाफ मैच के लिए उत्सुक हैं। गांगुली ने भारतीय टीम को जीत का दावेदार बताया है और सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम को मजबूत करार दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को कोलंबो में टी20 विश्व कप का मुकाबला जाएगा। इस पर पूर्व भारतीय

कप्तान सौरव गांगुली ने अपनी राय दी है और उन्होंने सूर्यकुमार यादव की अगुआई वाली टीम को मजबूत बताया है। पाकिस्तान ने पहले यह मुकाबला नहीं खेलने का एलान किया था, लेकिन आईसीसी के साथ बैठक के बाद उसे यू-टर्न लेना पड़ा। भारत-पाकिस्तान मैच के लिए उत्सुक हैं गांगुली गांगुली इस मैच के लिए काफी उत्सुक नजर आए। गांगुली ने कहा, विश्व कप में यह बड़ा मैच होगा। यह मुकाबला 15 फरवरी को होगा और पाकिस्तान के लिए भारत को हराना आसान नहीं होगा। भारत काफी बढ़िया टीम है। टी20 विश्व कप की शुरूआत अच्छी हुई है और अब तक ऐसा नहीं लगा है कि कोई भी टीम संतुलित नहीं है। चाहे वो नीदरलैंड, स्कॉटलैंड हो या नेपाल। भारतीय टीम में अभिषेक शर्मा, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव और ईशान किशन मेरे पसंदीदा हैं। भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर हुआ ड्रामा भारत और पाकिस्तान के बीच इस मैच को लेकर काफी ड्रामा हुआ जो सोमवार को खत्म हुआ। पाकिस्तान की सरकार ने एक फरवरी को घोषणा की थी कि उनकी राष्ट्रीय टीम भारत के खिलाफ ग्रुप चरण का मैच नहीं खेलेगी। आईसीसी ने इस पर नाराजगी व्यक्त की थी और कहा था कि उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के जवाब का इंतजार है। आईसीसी ने फिर लाहौर में पीसीबी के अधिकारियों के साथ मुलाकात की थी। सोमवार की रात पाकिस्तान सरकार ने यू-टर्न लिया और इस बात की घोषणा कर दी कि उनकी टीम भारत के खिलाफ मैच खेलेगी। भारत ने की जीत से शुरूआत भारत ने टी20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरूआत जीत से की है। भारत ने पहले मैच में अमेरिका को 29 रनों से हराया था। भारत का सामना अब गुरुवार को नामीबिया से होगा, जबकि इसके बाद उसे चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करना है।

## पलटू पाकिस्तान ने लिया यू-टर्न भारत के खिलाफ खेलेगा ग्रुप मैच शहबाज सरकार ने किया एलान

**नई दिल्ली।** पाकिस्तान सरकार ने पहले बहिष्कार के फैसले से यू-टर्न लेते हुए टी20 विश्व कप 2026 में भारत के खिलाफ ग्रुप मैच खेलने की मंजूरी दे दी है। मित्र देशों और आईसीसी के हस्तक्षेप के बाद 15 फरवरी को भारत-पाकिस्तान मुकाबला खेले जाने का रास्ता साफ हो गया है।

भारत और पाकिस्तान के बीच 15 फरवरी को ग्रुप मैच खेला जाएगा। इसका एलान पाकिस्तान सरकार ने सोमवार को किया। बता दें कि, पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले घोषणा की थी कि उनकी राष्ट्रीय टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, लेकिन भारत के खिलाफ ग्रुप मुकाबले का बहिष्कार करेगी। हालांकि, अब सरकार ने यू-टर्न ले लिया है। पाकिस्तान सरकार ने क्या कहा? पाकिस्तान सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के प्रमुख मोहसिन नकवी ने हालिया घटनाक्रम पर विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान पीसीबी, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठकों के नतीजों पर भी चर्चा हुई। सरकार ने बताया कि बीसीबी की ओर से पीसीबी को भेजे गए औपचारिक अनुरोधों की समीक्षा की गई, जिन्हें श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अन्य सदस्य देशों का समर्थन प्राप्त था। इन देशों ने मौजूदा गतिरोध को समाप्त करने के लिए पाकिस्तान से नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया था। पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम के बयान का भी उल्लेख किया और कहा कि 'भाईचारे की भावना के तहत व्यक्त की गई कृतज्ञता को गर्मजोशी से स्वीकार किया गया है।' बयान में दोहराया गया कि पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच टेलीफोन पर बातचीत भी हुई। दोनों नेताओं ने याद किया कि चुनौतीपूर्ण समय में पाकिस्तान और श्रीलंका हमेशा एक-दूसरे के साथ खड़े रहे हैं। श्रीलंकाई राष्ट्रपति ने मौजूदा विवाद को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने पर गंभीरता से विचार करने का अनुरोध किया। इन सभी बहुपक्षीय चचाओं और मित्र देशों के आग्रहों को ध्यान में रखते हुए पाकिस्तान सरकार ने अंततः पाकिस्तान राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश दिया कि वह 15 फरवरी 2026 को होने वाले आईसीसी मेंस टी20 विश्व कप के अपने निर्धारित मुकाबले में हिस्सा ले। अपनी बात से किस तरह पलटा पाकिस्तान? आईसीसी ने बांग्लादेश को भारत में नहीं खेलने की मांग पर टी20 विश्व कप से बाहर किया। बांग्लादेश की जगह ग्रुप सी में स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। पाकिस्तान इस मामले पर बेवजह बीच में आया और उसने बांग्लादेश का खुलकर समर्थन किया। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि पाकिस्तान का टी20 विश्व कप में खेलना प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्णय पर तय करेगा। नकवी ने फिर शहबाज शरीफ से मुलाकात की। पाकिस्तान सरकार ने एलान किया कि उनकी राष्ट्रीय टीम टी20 विश्व कप में खेलेगी, लेकिन 15 फरवरी को भारत के खिलाफ होने वाले मैच का बहिष्कार करेगी। आईसीसी पाकिस्तान के इस फैसले पर काफी नाराज हुआ और उसने संभावित कार्रवाई के बारे में सूचित किया। पीसीबी ने आईसीसी से फोर्स मेज्योर प्रावधान लागू करने की मांग की, लेकिन क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने इस बारे में उससे स्पष्टीकरण मांगा। पीसीबी और आईसीसी के बीच रविवार को बैठक हुई। इसमें बीसीबी के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम शामिल हुए। इस दौरान पीसीबी ने तीन मांगे रखीं, जिन्हें आईसीसी ने खारिज किया। इसके बाद आखिरकार पाकिस्तान ने सोमवार को यू-टर्न लिया और अब 15 फरवरी को मुकाबला खेला जाएगा।

## पाकिस्तान के यू-टर्न से आईसीसी को बड़ी राहत, 1,579 करोड़ रुपये का नुकसान टला

**दुबई।** भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के बहिष्कार से पीछे हटने के पाकिस्तान के फैसले ने आईसीसी को भारी आर्थिक नुकसान से बचा लिया। सूत्रों के मुताबिक अगर मुकाबला नहीं होता तो प्रसारण, टिकट और स्पॉन्सरशिप मिलाकर करीब 174 मिलियन डॉलर का झटका लगता। कई दौर की बातचीत और बांग्लादेश की अपील के बाद पाकिस्तान ने टीम को मैदान पर उतरने की मंजूरी दी।भारत-पाकिस्तान मुकाबला सिर्फ क्रिकेट मैच नहीं, बल्कि टूर्नामेंट की सबसे बड़ी कमाई का जरिया माना जाता है। सूत्रों के मुताबिक, अगर पाकिस्तान अपने रुख पर अड़ा रहता और मैच नहीं खेलता, तो आईसीसी को लगभग 174 मिलियन डॉलर यानी 1,579 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता था। एक सूत्र ने इंडियन एक्सप्रेस से बताया, 'कुल मिलाकर ब्रॉडकास्ट, टिकट बिक्री और स्पॉन्सरशिप से जुड़ा नुकसान करीब 174 मिलियन डॉलर यानी 1,579 करोड़ रुपये तक पहुंच जाता।' यानी मामला भावनाओं से ज्यादा आर्थिक हकीकत का था। फैसले के तुरंत बाद असर जैसे ही यह तय हुआ कि मुकाबला होगा, बाजार ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। मुंबई-कोलंबो-मुंबई राउंड ट्रिप हवाई टिकटों की कीमतों में 10 हजार रुपये से लेकर 60 हजार रुपये तक का उछाल देखने को मिला। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस मैच को लेकर दर्शकों में कितनी दिलचस्पी है। बैक चैनल बातचीत का रोल मामला सुलझाने के लिए कई स्तर पर बातचीत हुई। श्रीलंका क्रिकेट, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और आईसीसी के प्रतिनिधि बीच का रास्ता निकालने में लगे थे। शुरूआत में पाकिस्तान बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा था, क्योंकि बांग्लादेश की श्रीलंका में खेलने की मांग नहीं मानी गई थी। इसके बाद आईसीसी ने उन्हें टूर्नामेंट से हटाकर स्कॉटलैंड को शामिल करने का फैसला किया। बांग्लादेश ने की अपील सोमवार देर रात बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने बयान जारी कर पाकिस्तान से मैच खेलने का अनुरोध किया। बोर्ड ने पाकिस्तान के समर्थन की तारीफ भी की।

# बेइज्जती करवाना अगर खेल होता, तो पाकिस्तान उसमें चैंपियन होता

**नई दिल्ली।** सोशल मीडिया पर फैंस ने पाकिस्तान की बेइज्जती करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सबने एक सुर में यही कहा, 'शुरू में ही कहा था ऐसा होगा। पाकिस्तान यू-टर्न लेगा।' और आखिर में ऐसा ही हुआ भी। पाकिस्तान अब 15 फरवरी को भारत के खिलाफ कोलंबो में मैच खेलेगा। टी20 विश्वकप 2026 में पाकिस्तान के ड्रामे पर अब सोशल मीडिया पर उनकी जमकर खिल्ली उड़ रही है। फैंस मीम्स बनाकर पाकिस्तान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। दरअसल, सोमवार को पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार के फैसले पर यू-टर्न ले लिया। पाकिस्तानी सरकार ने सोमवार देर रात यह एलान किया कि उनकी क्रिकेट टीम अब 15 फरवरी को भारत के खिलाफ कोलंबो में होने वाले मैच में मैदान पर उतरेगी। इसी के साथ नौ दिन से चले आ रहे पाकिस्तान के ड्रामे पर विराम लग गया। सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ इसके तुरंत बाद सोशल मीडिया पर फैंस ने पाकिस्तान की बेइज्जती करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। सबने एक सुर में यही कहा, 'शुरू में ही कहा था ऐसा होगा। पाकिस्तान यू-टर्न लेगा।' कुछ फैंस ने यहां तक कह दिया कि पाकिस्तान की भारत से दिक्कत इतनी ज्यादा है कि कोई थेरेपिस्ट भी इसे ठीक नहीं कर सकता। एक मीटिंग और पाकिस्तान का यू-टर्न दरअसल, जब एक फरवरी को पाकिस्तान ने बड़े जोश के साथ भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलने की धमकी दी थी, तभी ज्यादातर लोगों ने कह दिया था, इन्हें आखिर में खेलना ही पड़ेगा। आठ फरवरी तक पाकिस्तान ने बड़े जोश और गर्व के साथ इस फैसले का ढिंढोरा पीटा। फिर उनकी आईसीसी के उपाध्यक्ष और स्वतंत्र निदेशक इमरान ख्वाजा के साथ मीटिंग हुई, जिसमें बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम भी मौजूद रहे। इस मीटिंग के बाद बांग्लादेश ने ही पाकिस्तान से मैच के बहिष्कार की मांग वापस लेने की मांग कर दी। जिस बांग्लादेश के दम पर पाकिस्तान इतना कूद रहा था, उसके ऐसा कहते ही पाकिस्तान बैकफुट पर आ गया। नकवी और शहबाज रहे ट्रोल्स के निशाने पर यहीं से मीम का दौर शुरू हुआ और देर रात तक पाकिस्तान सरकार का ऑफिशियल स्टेटमेंट भी आ गया। एक से लेकर आठ फरवरी तक, पाकिस्तानी फैंस से लेकर वहां के कई पूर्व क्रिकेटरों ने पीसीबी के भारत के खिलाफ न खेलने के फैसले की सराहना की थी, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने जैसे ही यू-टर्न लिया, अब तक किसी का बयान नहीं आया है। इसने पाकिस्तानी क्रिकेट बोर्ड से लेकर मोहसिन नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां के पूर्व क्रिकेटरों का भी मजाक बना दिया है। पाकिस्तानी सरकार का फैसला आते ही सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई। पाकिस्तान की क्षमता पर सवाल मीम्स में ज्यादातर हमले पीसीबी चेयरमैन मोहसिन नकवी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पर ही केंद्रित रहे। फैंस ने पाकिस्तान के फैसले लेने की क्षमता पर सवाल खड़े किए और उसका मजाक उड़ाया। बहिष्कार का एलान, फिर एक हफ्ते तक खूब शोर और फिर यू-टर्न...इस स्क्रिप्ट ने पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा कर दिया। यही स्क्रिप्ट वह पिछले कई महीनों से लगभग हर टूर्नामेंट में लिखते आ रहे हैं। एशिया कप में भी उन्होंने ऐसा ही किया था। रेफरी एंडी पायक्रॉफ्ट से विवाद के बाद पाकिस्तान ने यूएई के खिलाफ मैच का बहिष्कार करने की धमकी दी थी और फिर खेलने पहुंच गए थे। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, 'इतना सारा शोर और हुआ कुछ नहीं। आखिरकार भारत पाकिस्तान मैच पर फैसला हो ही गया। यह ड्रामा पीसीबी ने इसलिए तैयार किया ताकी भारत पाकिस्तान मैच का हाइप बन सके।' दूसरे यूजर ने लिखा, 'पाकिस्तान को झुकने और बहिष्कार से पीछे हटने के लिए दबाव बनाया गया। जय शाह के सामने पाकिस्तान की एक न चली। मैंने पाकिस्तान और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से बड़ा मजाक आज तक नहीं देखा।' तीसरे यूजर ने लिखा, 'अगर बात-बात पर बेइज्जती करवाना कोई खेल होता, तो पाकिस्तान उसमें जरूर चैंपियन बनता।

## आंध्र को हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंचा बंगाल घरामी के बाद चमके शाहबाज अहमद

**कल्याणी।** बंगाल ने आंध्र के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। बंगाल रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में पहुंच चुका है। बंगाल ने रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में आंध्र को पारी और 90 रनों से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। बंगाल का सामना अब सेमीफाइनल में 15 फरवरी से जम्मू-कश्मीर के खिलाफ होगा, जबकि एक अन्य सेमीफाइनल में उत्तराखंड का मुकाबला कर्नाटक से खेला जाएगा। बंगाल के लिए इस मैच में पहले सुदीप कुमार घरामी ने शानदार बल्लेबाजी की और फिर शाहबाज अहमद की अगुआई में गेंदबाजों ने अपना दम दिखाया। बंगाल ने हासिल की थी बड़ी बढ़त आंध्र की पहली पारी के 295 रन के जवाब में बंगाल ने अपनी पहली पारी में 629 रन बनाकर 334 रन की बड़ी बढ़त हासिल की थी। आंध्र की टीम दूसरी पारी में केवल 244 रन ही बना सकी। आंध्र ने खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी तीन विकेट पर 64 रन से आगे बढ़ाई। यह पहले ही तय हो चुका था कि वह सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाएगा लेकिन उसका लक्ष्य सीधी हार से बचना था जिसमें वह नाकाम रहा। शाहबाज की अगुआई में गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन बंगाल के गेंदबाजों ने बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद की अगुआई में आंध्र के बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया। शाहबाज ने 72 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि सूरज सिंधु जायसवाल ने दो विकेट लिए। आकाश दीप, सुमंता गुप्ता और अनुस्तुप मजूमदार ने एक-एक विकेट हासिल किया। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने आंध्र की दूसरी पारी में केवल तीन ओवर ही किए। शमी ने 53 रन बनाकर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था। नीतीश पर टिका था दारोमदार आंध्र के लिए नीतीश कुमार रेड्डी ही एकमात्र उम्मीद की किरण थे, क्योंकि इस भारतीय ऑलराउंडर ने दृढ़ता से बल्लेबाजी करते हुए 144 गेंदों में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 90 रन बनाए। बंगाल को दोबारा बल्लेबाजी कराने के लिए आंध्र को दिन के शुरू में 270 रन की जरूरत थी, जिसके लिए रेड्डी और रिकी भुई (30) के बीच साझेदारी की जरूरत थी, लेकिन शाहबाज ने भुई को जल्द ही पवेलियन भेज दिया। वह अपने कल के स्कोर में केवल 12 रन ही जोड़ सके। शाहबाज ने इसके बाद सौरभ कुमार और नीतीश कुमार रेड्डी को भी आउट किया। त्रिपुराना विजय (46) और कालिदिंडी राजू (25) ने कुछ रन बनाए लेकिन वे केवल हार का अंतर ही कम कर पाए। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत चोट के कारण बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे।

## लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की अच्छी शुरूआत यूएई को विकेट की तलाश

**चेन्नइ।** न्यूजीलैंड और यूएई के बीच टी20 विश्व कप में ग्रुप डी का मुकाबला खेला जा रहा है। यूएई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया है। न्यूजीलैंड और यूएई के बीच टी20 विश्व कप में ग्रुप डी का मुकाबला खेला जा रहा है। लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की पारी जारी है। यूएई ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। यूएई ने मोहम्मद वसीम और अलीशान शराफु के अर्धशतकों की मदद से 20 ओवर में छह विकेट पर 173 रन बनाए। शराफु-वसीम की शानदार साझेदारी पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई को पहला झटका शुरूआत में ही लग गया था। जैकब डफी ने आर्यंश शर्मा को आउट किया जो आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद हालांकि, मोहम्मद वसीम और अलीशान शराफु ने टीम को संभाला और दोनों बल्लेबाजों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। इस दौरान अलीशान शराफु ने 39 गेंदों पर अर्धशतक लगाया। शराफु और वसीम ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया। हालांकि, सैंटनर आखिरकार इस साझेदारी को तोड़ने में सफल रहे। सैंटनर ने शराफु को आउट किया जो 47 गेंदों पर पांच चौके और दो छक्कों की मदद से 55 रन बनाकर आउट हुए। वसीम का पचासा शराफु के आउट होने के बाद यूएई की पारी धीमी पड़ गई, लेकिन वसीम अपनी पारी बढ़ाते रहे। यूएई को हर्षित कौशिक के रूप में तीसरा झटका लगा जो दो रन बनाकर ग्लेन फिलिप्स का शिकार बने। इसके बाद वसीम ने 37 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया। वसीम एक छोर से मोर्चा संभाले रहे जिससे यूएई का स्कोर 170 रन के पार पहुंचने में सफल रहा। वसीम 45 गेंदों पर चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन बनाकर नाबाद रहे। यूएई के लिए मयंक कुमार ने 13 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 21 रन बनाए, जबकि शोएब खान सात रन बनाकर आउट हुए। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी को दो विकेट मिले, जबकि जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स को एक-एक सफलता मिली। दोनों टीमों की प्लेइंग-11: यूएईः आर्यंश शर्मा (विकेटकीपर), मोहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफु, मयंक कुमार, शोएब खान, हर्षित कौशिक, मोहम्मद अरफान, ध्रुव पराशर, हैदर अली, जुनैद सिद्धिकी, मोहम्मद रोहिद खान।

## यूजीसी रेगुलेशन के समर्थन में सड़क पर उतरीं डॉ पल्लवी पटेल

लखनऊ,(संवाददाता)। अपना दल कमेरावादी और विभिन्न सामाजिक, छात्र-युवा संगठनों के द्वारा यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर विशाल मार्च निकाला गया। मंगलवार को मध्याह्न 12 बजे से लखनऊ विश्वविद्यालय के पास स्थित आईटी चौराहे पर प्रदेश भर के विभिन्न जनपदों से आए प्रदर्शनकारियों ने सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल के नेतृत्व में आन्दोलन किया। प्रदर्शनकारियों ने यूजीसी इक्विटी रेगुलेशन 2026 लागू करो, हम सबका है ऐलान, सबको शिक्षा सबको मान, ष्शिक्षण संस्थानों में वंचितों का उत्पीड़न बंद करो आदि नारे लगाते हुए हाथों में तख्तियां और राष्ट्रध्वज लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। अपना दल कमेरावादी की शीर्ष नेता व सिराथू विधायक डॉ पल्लवी पटेल ने कहा कि जाति लिंग धर्म या अक्षमता के आधार पर उच्च शिक्षण संस्थानों में हो रहे भेदभाव एवं उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए, सर्वोच्च न्यायालय के निदेशों के मुताबिक विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनिमय 2026 लाया गया। जिसे तथ्यों और तर्कों के आधार पर समझने की बजाय कुतर्कों के आधार प्रायोजित विरोध की आड़ में न्यायिक प्रक्रिया में ले जाकर फंसा दिया गया



# पूजा हेगड़े को छोटे बच्चे से मिला कड़ा मुकाबला, डांस देख यूजर्स बोले लड़का चमक गया देखें वायरल वीडियो

लोकेश कनगराज निर्देशित रजनीकांत स्टारर फिल्म कुली में पूजा हेगड़े ने आइटम सॉन्ग मोनिका किया था। यह काफी चर्चित हुआ। हाल ही में इसी गाने को लेकर एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें पूजा हेगड़े को डांस के मामले में एक बच्चा कड़ी टक्कर दे रहा है। इस वीडियो पर सोशल मीडिया यूजर्स भी रिएक्शन दे रहे हैं।

हाल ही में पूजा हेगड़े चेन्नई की सत्यभामा यूनिवर्सिटी में हुए एक कल्चरल इवेंट में पहुंचीं। इसी दौरान एक छोटा सा लड़का स्टेज पर आ गया और पूजा के साथ मोनिका गाने पर डांस करने लगा। यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो पर कई यूजर्स कमेंट कर रहे हैं।

**पूजा हेगड़े को डांस में दी टक्कर**

वायरल वीडियो में एक बच्चा पूरे कॉन्फिडेंस के साथ स्टेज पर डांस करता नजर आ रहा है। जैसे ही बच्चा डांस स्टेप्स करता है, तो उसे देखकर पूजा हेगड़े भी हैरान रह जाती हैं। कई बार तो पूजा खुद उस बच्चे के स्टेप्स फॉलो करती नजर आती हैं। बता दें कि फिल्म कुली में भी एक्टर शौबिन साहिर ने पूजा हेगड़े के साथ कमाल का डांस किया था, उन्हीं डांस स्टेप्स को वायरल वीडियो वाले बच्चे ने स्टेज पर किया।

**बच्चे के डांस पर लोगों का रिएक्शन**

सोशल मीडिया पर पूजा हेगड़े वाले वायरल वीडियो पर कई यूजर्स रिएक्शन दे रहे हैं। वह उस बच्चे की खूब तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, लड़का चमक गया, पूजा चौंक गईं। एक यूजर ने लिखा, इसके पास सिलेब्रिटी से ज्यादा अच्छे मूव्स हैं। अन्य यूजर ने कमेंट किया, इतनी छोटी उम्र में ऐसा कॉन्फिडेंस, गजब है। एक यूजर ने तारीफ करते हुए लिखा, क्या एनर्जी है, इसने सबको ओवरशेडो कर दिया।

**कौन है ये बच्चा ?**

वायरल वीडियो में एक्टर और डांसर जाफर सादिक भी दिख रहे हैं, जो उस बच्चे के मेंटर बताए जा रहे हैं। बच्चे का नाम हानी है। हानी की तारीफों से खुश होकर जाफर सादिक ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, जब आप अपनी काबिलियत पर भरोसा करते हैं, तो किस्मत खुद रास्ता बना देती है। यह बच्चा इसी के लिए बना है और इससे भी आगे जाएगा। इसने मेरी उम्मीद फिर से जगा दी है। मुझे तुम पर गर्व है, मेरे बच्चे।

**इस फिल्म में नजर आएंगी पूजा हेगड़े**

वर्कफ्रंट की बात करें तो 2025 में पूजा हेगड़े हिंदी फिल्म देवा, तमिल फिल्म रेट्रो और फिल्म कुली के गाने में नजर आई थीं। उनकी फिल्म जना नायकन जनवरी में रिलीज होनी थी, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट में देरी के कारण अब तक रिलीज नहीं हो पाई है। इसमें विजय, ममिता बैजू और बॉबी देओल भी हैं। आने वाले समय में पूजा हेगड़े हिंदी फिल्म है जवानी तो इश्क होना है, तमिल फिल्म कंचना 4 और तेलुगु फिल्म उद्द 41 में नजर आएंगी।

# रणवीर सिंह को भेजा गया धमकी भरा वॉइस नोट अनजान शख्स ने की करोड़ों की रकम की मांग

अभिनेता रणवीर सिंह को कथित तौर धमकी मिली है। उन्हें एक अनजान शख्स ने वॉइस नोट भेजकर धमकी दी है और करोड़ों रुपये की रकम मांगी है।

अभिनेता रणवीर सिंह फिल्म 'धुरंधर' के बाद इसके दूसरे पार्ट को लेकर सुर्खियों में हैं। अगले महीने 'धुरंधर 2' रिलीज होगी। इस बीच उन्हें कथित तौर पर एक वॉइस नोट भेजकर धमकी दी गई है। कहा जा रहा है कि एक अनजान शख्स ने अभिनेता से करोड़ों रुपये की रकम मांगी है।

**जांच में जुटी पुलिस**

मुंबई पुलिस के मुताबिक, फिल्म निमार्ता-निर्देशक रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के बाद रणवीर सिंह को एक धमकी भरा वॉइस नोट व्हॉट्सएप पर मिला है, जिसमें करोड़ों रुपये मांगे गए हैं। मुंबई पुलिस ने एक्टर के घर के बाहर सिक्योरिटी बढ़ा दी है और धमकी भेजने वाले का पता लगा रही है'।

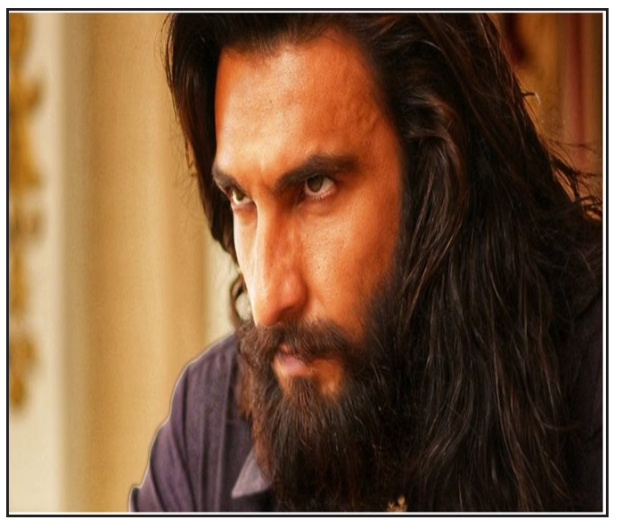

# राजामौली की वाराणसी के लिए प्रियंका ने की काफी मेहनत, पति निक ने की एक्ट्रेस की तारीफ; फिल्म पर कही ये बात





निक जोनस प्रियंका चोपड़ा की तारीफ करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। अब निक ने राजामौली की फिल्म वाराणसी के लिए प्रियंका की जमकर तारीफ की है। जानिए पत्नी प्रियंका और फिल्म को लेकर निक ने क्या कुछ कहा

इंटरनेशनल स्टार बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी से हिंदी सिनेमा में वापसी करने जा रही हैं। फिल्म की रिलीज में अभी एक साल से भी ज्यादा का समय बाकी है, इसके बावजूद फिल्म अभी से ही लगातार चचाओं में बनी हुई है। इसे हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म बताया जा रहा है। अब प्रियंका के पति निक जोनस ने भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर की है। फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने इसके प्रति प्रियंका चोपड़ा के लगन की सराहना की है।

**निक ने की प्रियंका की तारीफ**

जैक सैंग शो में पहुंचे निक जोनस ने एक बार फिर प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ की है। वाराणसी को लेकर प्रियंका के समर्पण की बात करते हुए निक ने कहा कि प्रियंका पिछले लगभग 14 महीनों से रुक-रुक कर शूटिंग कर रही हैं। यह एसएस राजामौली की एक बड़ी फिल्म है। यह शानदार होने वाली है। फिल्म को लेकर प्रियंका की मेहनत और उनका समर्पण काबिल-ए-तारीफ है।

**मंदाकिनी के किरदार में नजर आएंगी प्रियंका**

वाराणसी के जरिए प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड के बाद अब फिर से हिंदी भारतीय सिनेमा में वापसी कर रही हैं। फिल्म में प्रियंका मंदाकिनी की भूमिका निभा रही हैं। पिछले साल जारी किए गए उनके पहले लुक के पोस्टर में अभिनेत्री पीले रंग की साड़ी पहने और हाथ में पिस्तौल लिए एक दमदार अवतार में नजर आई थीं, जो एक शक्तिशाली और एक्शन से भरपूर किरदार का संकेत देता है।

**भगवान राम के अवतार में दिखेंगे महेश बाबू**

फिल्म में प्रियंका चोपड़ा के साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी प्रमख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म में महेश बाबू रुद्र की भूमिका में दिखेंगे। हालांकि, वो फिल्म में राम के अवतार में भी नजर आएंगे। वहीं पृथ्वीराज सुकुमारन फिल्म में खलनायक कुंभा की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म को काफी बड़े स्तर पर बनाया जा रहा है। जिसमें रामायण पर आधारित सीक्वेंस भी शामिल है। पिछले दिनों राजामौली ने एक इंटरव्यू में बताया था कि रामायण पर आधारित 25 मिनट के एक सीक्वंस को शूट करने में उन्हें 60 दिन लग गए थे। राजामौली की हर फिल्म की तरह वाराणसी का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

# अपनी बेटी राहा के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहते हैं रणबीर कपूर बोले मैं उसे ऐसे पंख देना चाहता

रणबीर कपूर ने हाल ही में अपने पिता ऋषि कपूर के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। इसके साथ ही रणबीर ने यह भी बताया कि वह अपनी बेटी राहा कपूर के साथ किस तरह का रिश्ता रखना चाहते हैं?

रणबीर और उनकी पत्नी आलिया भट्ट ने 6 नवंबर, 2022 को अपनी पहली संतान राहा कपूर का स्वागत किया। आलिया ने कई बार बताया है कि रणबीर अपनी बेटी के साथ बहुत समय बिताते हैं। जानिए कैसा है राहा और रणबीर का



रिश्ता?

रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के नए आलीशान घर के बाहर लगेगी किसके नाम की प्लेट? वायरल तस्वीर में हुआ खुलासा

**पिता ऋषि के साथ कैसा था रणबीर का रिश्ता**

रणबीर कपूर के यूट्यूब चैनल 'किंगडम' पर शेयर किए गए एक वीडियो में उन्होंने अपनी बेटी राहा के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की। रणबीर ने बताया कि उनके दिवंगत पिता ऋषि कपूर के साथ उनका रिश्ता थोड़ा दूर-दूर वाला था। उस जमाने में पिता और बेटे के बीच ऐसी ही दूरी रहती थी, जैसे एक कांच की दीवार हो।

**राहा के साथ कैसा है रणबीर का रिश्ता**

रणबीर नहीं चाहते कि उनकी बेटी राहा के साथ भी ऐसा ही हो। रणबीर ने कहा, 'मैं उस दीवार को तोड़ना चाहता हूं। मैं राहा का दोस्त बनना चाहता हूं। मैं उसे ऐसे पंख देना चाहता हूं कि वो जहां चाहे उड़ सके।'

**कपूर परिवार की विरासत**

कपूर परिवार की विरासत पर भी रणबीर ने बात की। रणबीर मानते हैं कि अगर कोई सिर्फ पिछले लोगों की नकल करता है, तो सफलता सीमित रह जाती है। व्यक्ति को अपना अलग तरीका और नई सोच लानी चाहिए। अगर सच्ची भावना और विरासत को आगे बढ़ाया जाए, तो कोई नहीं रोक सकता।

**किस फिल्म में नजर आएंगे रणबीर कपूर?**

फिल्मों की बात करें तो रणबीर के पास कई बड़े प्रोजेक्ट हैं। वह नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायणः भाग 1' में भगवान राम का किरदार निभाएंगे। इस फिल्म में साई पल्लवी, यश, सनी देओल और रवि दुबे भी हैं। यह फिल्म दिवाली 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा, संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' में रणबीर अपनी पत्नी आलिया भट्ट और विक्की कौशल के साथ नजर आएंगे। इसके अलावा आलिया फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी।

# आईएमडीबी पर क्यों ट्रेंड कर रहे 'धुरंधर' स्टार्स सारा अर्जुन और रणवीर सिंह

धुरंधर स्टार्स इस सप्ताह आईएमडीबी की लोकप्रिय हस्तियों की लिस्ट में छाए हुए हैं। सारा अर्जुन की लोकप्रियता से लेकर रणवीर सिंह की लगातार बढ़ती लोकप्रियता तक, जानिए सभी स्टार्स की रैंकिंग?

फिल्म 'धुरंधर' का असर अब आईएमडीबी पर भी दिख रहा है। आदित्य धर की इस एक्शन थ्रिलर फिल्म के कलाकार



इस हफ्ते आईएमडीबी की सबसे लोकप्रिय भारतीय हस्तियों की लिस्ट में छाए हुए हैं। जानिए किस अभिनेता को मिली है कौन सी रैंकिंग?

**क्यों ट्रेंड कर रही हैं सारा अर्जुन?**

फिल्म 'धुरंधर' 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद यह फिल्म अब नेटफ्लिक्स पर उपलब्ध है। फिल्म की रिलीज के बाद से ही सोशल मीडिया पर 'धुरंधर' के स्टार्स लगातार चर्चा में बने हुए हैं। सबसे ऊपर सारा अर्जुन हैं, जो 20 साल की हैं। वे इस हफ्ते आईएमडीबी पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली भारतीय सेलिब्रिटी बनी हैं।

**IMDB पर छाए 'धुरंधर' के स्टार्स**

'धुरंधर' में सभी किरदारों और उनकी एक्टिंग की खूब तारीफ हो रही है। वहीं लोगों को फिल्म में सारा अर्जुन की मौजूदगी और इमोशंस बहुत पसंद आए। इससे वे कई बड़े सितारों को पीछे छोड़कर नंबर 1 पर पहुंच गईं। यह उनके करियर के लिए बड़ा मौका है। रणवीर सिंह आईएमडीबी की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर फैंस और क्रिटिक्स दोनों चर्चा कर रहे हैं। रिलीज के हफ्तों बाद भी उनकी पॉपुलैरिटी बनी हुई है।

**लिस्ट में और कौन सितारे हैं शामिल?**

'धुरंधर' के ही असर से निर्देशक आदित्य धर छठे नंबर पर हैं। इसके अलावा अक्षय खन्ना की नैचुरल एक्टिंग की वजह से वह भी टॉप में हैं। इसके अलावा सनी देओल (बॉर्डर 2 की वजह से), जोया अफरोज (उनकी ओटीटी सीरीज 'तस्करीः द स्मगलर वेब' से) और समारा तिजोरी (दलदल से) भी लिस्ट में शामिल हैं।

# यश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा, बेटे के डेब्यू पर गोविंदा का बड़ा बयान राजनीति छोड़ने की भी बताई वजह

दिग्गज अभिनेता गोविंदा ने अपने बेटे यशवर्धन आहूजा के फिल्मी करियर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने राजनैतिक करियर छोड़ने की वजह के बारे में भी बातचीत की। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

गोविंदा बीते दिनों से चचाओं का विषय बने हुए हैं। हाल ही में उनकी पत्नी ने उनपर एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर के आरोप लगाए थे। हालांकि इन सभी आरोपों को गोविंदा ने खारिज कर दिया। अब उनके बेटे बॉलीवुड में डेब्यू करने वाले हैं। गोविंदा ने उनके बेटे की एक्टिंग पर भी खुलकर बात की है।

**यश मुझसे भी बेहतर एक्टर बनेगा**

गोविंदा ने कहा कि उन्हें अपने बेटे पर पूरा भरोसा है और यश आगे चलकर उनसे भी बेहतर एक्टर बनेगा। एएनआई से बातचीत में गोविंदा ने कहा, ह्ययश मुझसे बेहतर एक्टर बनेगा। वो टेक्निकली मुझसे ज्यादा मजबूत है।

अपने बेटे को सपोर्ट करने को लेकर गोविंदा ने बताया कि उनकी सिफारिश पर निमार्ता साजिद नाडियाडवाला ने यश को अपने ऑफिस में जगह दी, ताकि वह फिल्ममेकिंग के अलग-अलग पहलू सीख सके।

**करण जौहर पर कसा तंज**

इस इंटरव्यू के दौरान गोविंदा ने बताया कि उनके नाम पर एक फिल्म

बनाई गई थी। गोविंदा बोले, 'किसी ने मेरे नाम से पिक्चर बना दी थी। शायद उसका नाम 'गोविंदा मेरा नाम' था। मुझे पता नहीं, पर लगता है कि वो करण जौहर की फिल्म थी।'

बता दें, साल 2022 में रिलीज हुई 'गोविंदा मेरा नाम' में विक्की कौशल, भूमि पेडनेकर और कियारा आडवाणी ने साथ काम किया था। इस फिल्म का निर्देशन शशांक खैतान ने किया था। वहीं इसके प्रोड्यूसर करण जौहर थे।

**गोविंदा ने क्यों छोड़ी राजनीति ?**

वहीं राजनीति छोड़ने के फैसले पर गोविंदा ने कहा कि उन्होंने यह कदम अपने परिवार के लिए उठाया। उन्होंने कहा, ह्यमैं नहीं चाहता था कि राजनीति मेरी फैमिली लाइफ और बच्चों पर असर डाले।'

**न्यूकमर्स के साथ काम करना चाहते हैं गोविंदा**

खबर है कि गोविंदा सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आ सकते हैं। हालांकि इस बात को लेकर कोई जानकारी मेकर्स ने शेयर नहीं की है। हां, सलमान खान ने 'बिग बॉस 19' के मंच पर जरूर कहा था कि वह गोविंदा के साथ एक फिल्म में काम कर रहे हैं।

गोविंदा ने आगे कहा कि वह नए कलाकारों के साथ काम करना चाहते हैं और नहीं चाहते कि कोई भी एक्टर उनके बारे में गलत डर बनाए। इसी वजह से उन्होंने सभी से माफी भी मांगी। वहीं, हाल ही में सुनीता आहूजा के भी बॉलीवुड में डेब्यू करने की बात सामने आई है।

**यशवर्धन करने वाले हैं बॉलीवुड में डेब्यू**

गोविंदा और सुनीता की शादी 1987 में हुई थी। उनके दो बच्चे भी हैं। बेटी टीना ने 2015 में फिल्म ह्यसेकंड हैंड हसबैंड से डेब्यू किया था। बेटा यशवर्धन भी जल्द ही फिल्मों में कदम रखने वाले हैं।

## योगी सरकार में तीन गुना बढ़ी दिव्यांग पेंशन, कोई पात्र वंचित नहीं

लखनऊ,(संवाददाता)। पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने विधानपरिषद में पूछे गए प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण, पारदर्शिता और समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग की योजनाएं ऑनलाइन, पारदर्शी और दलाल-मुक्त प्रणाली के तहत संचालित की जा रही हैं।उन्होंने कहा कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विशेष विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्ष 2011 में चयनित जेटीसी ग्रेड शिक्षकों में से एलटी ग्रेड शिक्षक के नौ रिक्त पदों पर पदोन्नति हेतु अध्यायन दिनांक 16 जुलाई 2025 को तथा एलटी ग्रेड से प्रवक्ता के 28 पदों के सापेक्ष अध्यायन दिनांक 12 दिसंबर 2022 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को प्रेषित किए जा चुके हैं, जिन पर वर्तमान में कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। वितरण कार्यक्रमों में वरिष्ठ अथवा कनिष्ठ सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाना अनिवार्य है। भविष्य में किसी अधिकारी द्वारा ऐसा न किए जाने की शिकायत प्राप्त होती है, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ सदस्य को न केवल वितरण कार्यक्रमों में आमंत्रित किया गया बल्कि उत्तर प्रदेश सलाहकार बोर्ड की बैठकों में भी सम्मानपूर्वक सहभागिता सुनिश्चित की गई है। भारत सरकार द्वारा संचालित स्वावलंबन पोर्टल के माध्यम से यूडीआईडी कार्ड निर्गत किए जाते हैं।आकांक्षी जनपद सिद्धार्थनगर में 31 जनवरी तक 24,414 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं।

# अमेरिका ने जताई बांग्लादेश में बढ़ते कट्टरपंथ पर चिंता चुनाव से पहले अल्पसंख्यकों पर खतरा

**वॉशिंगटन।** बांग्लादेश में आम चुनाव 12 फरवरी को होने जा रहे हैं। इससे पहले अमेरिका में बांग्लादेश की मौजूदा स्थिति पर चिंता जताई है। ब्रीफिंग में चेतावनी देते हुए बताया गया कि देश एक गंभीर राजनीतिक मोड़ की तरफ बढ़ रहा है। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने जा रहे हैं। शेख हसीना के सत्ता से बेदखल होने के बाद यह पहले चुनाव है। इस बीच धार्मिक अल्पसंख्यकों पर खतरा बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। अमेरिका में बांग्लादेश में बढ़ते कट्टरपंथ पर चिंता जाहिर की गई है। अमेरिकी कांग्रेस की एक ब्रीफिंग में चेतावनी देते हुए बताया गया कि देश एक गंभीर राजनीतिक मोड़ की तरफ बढ़ रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की स्थिति को लेकर यूएस कांग्रेस ब्रीफिंग हिंदू एक्शन और कोहना संगठनों ने रेबर्न हाउस ऑफिस बिल्डिंग में आयोजित की थी। इसमें अमेरिकन एंटरप्राइज इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ विशेषज्ञ माइकल रुबिन ने कहा कि किसी भी देश में सुधार के दावों को परखने का सबसे सही तरीका यह देखना है कि वहां धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ कैसा व्यवहार किया जा रहा है। अमेरिका के लिए बांग्लादेश चिंता का विषय रूबिन ने आगे कहा कि बांग्लादेश में जमात-ए-इस्लामी जैसी पार्टी धर्म का इस्तेमाल जवाबदेही से बचने के लिए करते हैं और इससे माहौल भड़काऊ बनता है। उन्होंने चेतावनी दी कि जब समाज में सहनशीलता खत्म हो जाती है, तो उसे दोबारा हासिल करना बहुत मुश्किल हो जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता के मामले में बांग्लादेश तेजी से गंभीर चिंता वाले देश की श्रेणी में आ सकता है और यह स्थिति अमेरिका के लिए चिंता का विषय होनी चाहिए। उनके अनुसार बांग्लादेश आबादी और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बहुत अहम देश है और दक्षिण एशिया की दिशा बताने वाला संकेतक भी है। इतना ही नहीं रूबिन ने अमेरिका की नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अमेरिका अक्सर पहले घटना होने देता है और फिर प्रतिक्रिया करता है, जबकि समय रहते कदम उठाना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने पॉलिटिकल हिंसा की रिपोर्टिंग में डिप्लोमैटिक टालमटोल की भी आलोचना की। जमात-ए-इस्लामी को दिया आतंकी संगठन करार उन्होंने कहा, 'पैसिव वॉइस का इस्तेमाल करके, आप यह दिखा रहे हैं कि आपको नहीं पता कि बम किसने फोड़ा या आप खास तौर पर उस विषय को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। आप असल में आतंकवाद को व्हाइटवॉश कर रहे हैं।' सवाल-जवाब सेशन के दौरान माइकल रुबिन ने कहा कि जमात-ए-इस्लामी को एक सामान्य राजनीतिक दल की तरह नहीं देखा जाना चाहिए और उन्होंने इसे आतंकी संगठन करार दिया। इस ब्रीफिंग में पत्रकार और भू-राजनीतिक विश्लेषक एडेल नजारियन ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि 12 फरवरी का चुनाव केवल बांग्लादेश का आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि इसका असर क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा पर पड़ेगा। एडेल ने कहा कि अवामी लीग को चुनाव प्रक्रिया से बाहर रखना समाज के लिए खतरनाक संदेश है। धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक शासन पर जताई चिंता उन्होंने कहा कि जब किसी बड़ी पार्टी को चुनावी प्रक्रिया से बाहर रखा जाता है, तो समाज को जो संदेश जाता है वह सीधा और खतरनाक होता है। इससे यह धारणा बनती है कि सत्ता वैध तरीके से नहीं, बल्कि ताकत के बल पर तय होती है। उन्होंने अमेरिकी नेतृत्व से साफ और ठोस कदम उठाने की अपील की। नजारियन ने कहा कि सिर्फ बयान देना काफी नहीं है, बल्कि ठोस कार्रवाई भी जरूरी है। बता दें कि यह ब्रीफिंग बांग्लादेश के चुनाव से कुछ दिन पहले हुई, जिसमें शिक्षाविदों, पत्रकारों और सामुदायिक नेताओं ने धार्मिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक शासन पर गंभीर चिंता जताई गई।

# बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंदू कारोबारी की हत्या दुकान के अंदर खून से लथपथ मिला शव

**ढाका।** बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब संसदीय चुनावों से पहले एक और हिंदू व्यक्ति की हत्या कर दी गई है। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या की गई। सोमवार की रात यह घटना ऐसे समय में हुई, जब दो दिन बाद ही इस दक्षिण एशियाई देश में आम चुनाव के लिए मतदान होना है। घटना मेमेनसिंह जिले में हुई है। इसी जिले में पहले भी दीपू चंद्र दास नाम के एक हिंदू व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई थी। भीड़ ने उसे जीवित जला दिया था। मृतक कौन है? अभी जिनकी हत्या की गई है, उनकी पहचान सुषेन चंद्र सरकार (62 वर्षीय) के रूप में हुई है। वह धान के व्यापारी थे और डाकिनकांडा गांव में रहते थे। उनकी दुकान 'भाई भाई एंटरप्राइज' बोगर बाजार के चौराहे पर थी। पुलिस ने मामले पर क्या कहा? पुलिस के अनुसार, हत्या रात 11 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने सुषेन चंद्र सरकार पर तेज हथियार से हमला किया। फिर उन्हें दुकान के अंदर छोड़ शटर बंद कर दिए। पुलिस ने कहा कि परिवार के लोग जब उन्हें ढूंढने गए, तो दुकान के अंदर खून से लथपथ हालत में मिले।

# ओमान जाएंगे ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी लारीजानी अमेरिका से टकराव के बीच अहम बैठक

**दुबई।** ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी ओमान की यात्रा करेंगे। यह दौरा मस्कट में अमेरिका संग पहले दौर की वार्ता के बाद हो रहा है। जहां अली लारीजानी विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी और ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक से मुलाकात करेंगे। अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी। इससे पहले ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच रहे हैं। यह दौरा ऐसे वक्त हो रहा है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और ओमान लगातार मध्यस्था कर रहा है। इस बीच इस्राइल ने भी ईरान को खुली चेतावनी दी है कि वह बिना अमेरिकी मदद के भी तेहरान पर हमला कर सकता है। बता दें कि इस हफ्ते इस्राइली पीएम नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करने वाले हैं। इस बीच ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी के ओमान दौरे पर सबकी नजर हैं। अली लारीजानी की ओमान में अहम बैठक दरअसल, ओमान ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर

तेहरान और वॉशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत में मध्यस्था की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में ईरान की संसद के पूर्व अध्यक्ष और अब देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी और ओमान के सुल्तान हैथम से मुलाकात करेंगे। परमाणु समझौता वार्ता के बीच दौरा राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने वार्ता को अहम बताया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि लारीजानी क्या संदेश लेकर ओमान जा रहे हैं। अमेरिका संग ईरान का तनाव जारी बता दें कि ईरान और अमेरिका ने पिछले सप्ताह ओमान में परमाणु वार्ता की। रविवार को तेहरान में आयोजित शिखर सम्मेलन में राजनयिकों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संकेत दिया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने की अपनी शर्त पर अडिग रहेगा। यह मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ विवाद का प्रमुख विषय है। इससे पहले तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने बताया था कि परमाणु वार्ता के अगले दौर की तारीख और स्थान ओमान के साथ विचार-विमर्श के बाद तय होगा।

# बलोचों पर अत्याचार के खिलाफ जर्मनी-ब्रिटेन में प्रदर्शन मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप

**म्यूनिख/लंदन।** जर्मनी और ब्रिटेन में बलोच और पख्तून संगठनों ने पाकिस्तान में कथित मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ बड़े प्रदर्शन किए। संगठनों ने जबरन गुमशुदगी, गैर-न्यायिक हत्याओं और दमन के आरोप लगाए। बलूचिस्तान और पख्तून इलाकों में कार्रवाई को लेकर अंतरराष्ट्रीय जांच की मांग उठी। जर्मनी और ब्रिटेन में पाकिस्तान के बलोच नेशनल मूवमेंट (बीएनएम) और पख्तून तहफ्फुज मूवमेंट (पीटीएम) ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विरोध के सुर बुलंद कर दिए हैं। बीएनएम ने जर्मनी के ट्रायर शहर के पोर्टा निग्रा चौक पर एक प्रदर्शन में बलूचिस्तान में हो रहे व्यवस्थित और गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों, नागरिकों पर हो रहे अत्याचार को उजागर किया, जबकि लंदन में पीटीएम की यूके शाखा ने पाकिस्तानी सेना की पख्तूनों को जबरन गायब करने की नीति के खिलाफ झंडे उठाए। बीएनएम ने कहा, ट्रायर में हुए प्रदर्शन के दौरान मानवाधिकार व बलोच समर्थकों ने एकजुटता जताई। प्रदर्शनकारियों ने जबरन गायब करने, गैर-न्यायिक हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों व सियासी कार्यकर्ताओं तथा मानवाधिकार रक्षकों के खिलाफ सरकारी दमन पर चिंता जताई। पीटीएम ने भी लंदन में पख्तूनों पर ऐसे ही जुल्मों की पोल खोली और पाकिस्तान सरकार के दमन पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ध्यान देने की अपील की। उन्होंने दुनिया पर कार्रवाई करने का दबाव भी बनाया। कराची-बलूचिस्तान से छह बलोचों को किया गिरफ्तार बलूचिस्तान। कराची और बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों से छह बलोचों को नए साल के दौरान पकड़ा गया है। इन जबरन गिरफ्तारियों का शक पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मियों पर लगा है।

बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, उनके परिवारों ने उनके लापता होने की जानकारी दी है। गिरफ्तार लोगों को हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया जानकारी के अनुसार, क्वेटा की बलोच कॉलोनी के निवासी और छात्र असदुल्ला कुर्द (25) को ब्रूअरी से पकड़ा गया, कराची के लयारी निवासी वलीद (30) को उनके घर से उठाया गया। हब के गद्दानी निवासी छात्र खुदा बख्श (18) को कराची में हिरासत में लिया गया। इसी तरह, अवारान जिले के मश्काय से यासिर अराफात (25), घोत्री बाजार और कौसर बाजार इलाकों में देर रात छापेमारी में सिराज और जाहिद को हिरासत में लेकर अज्ञात स्थान पर ले जाया गया है।

## पश्चिमी अमेरिका में बर्फबारी में रिकॉर्ड कमी, पानी की कमी और जंगल की आग जैसी समस्याओं ने बढ़ाई चिंता

**लॉस एंजिल्स (अमेरिका)।** पश्चिमी अमेरिका में रिकॉर्ड स्तर पर बर्फ की कमी और असामान्य गर्मी देखी जा रही है, जिससे नदियों और जलस्रोतों पर गहरा असर पड़ा है। आने वाले महीनों में पानी की भारी कमी, जंगलों में आग और कृषि व बिजली उत्पादन पर दबाव पड़ने जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। क्या है पूरा मामला, पढ़ें रिपोर्ट- पश्चिम अमेरिका में बर्फ में भारी कमी देखी जा रही है। इसके साथ ही असामान्य गर्मी भी बढ़ रही है। इससे आने वाले महीनों में पानी की भारी कमी होने का खतरा है। जंगल की आग का खतरा भी बढ़ सकता है। शीतकालीन पर्यटन और खेलों पर भी असर पड़ा है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ की मोटाई और फैलाव पिछले कई दशकों में सबसे कम है। 67 मौसम केंद्रों में दिसंबर से फरवरी की शुरूआत तक सबसे ज्यादा गर्मी दर्ज की गई है। आमतौर पर इस समय बर्फ करीब 4 लाख 60 हजार वर्ग मील में होती थी। यह क्षेत्र कैलिफोर्निया, यूटा, इडाहो और मोंटाना चारों राज्यों जितना होता है। बर्फ के अंदर जमा पानी रिकॉर्ड स्तर कम नेशनल स्नो एंड डाटा सेंटर (एनओएए) के निदेशक मार्क सेरेज ने कहा, मैंने ऐसी सर्दी पहले कभी नहीं देखी। यह मौसम का पैटर्न बहुत लंबे समय से एक जैसा बना हुआ है। इस केंद्र के वैज्ञानिक जेसन गर्लिच ने बताया कि ओरेगन में बर्फ के अंदर जमा पानी रिकॉर्ड स्तर पर कम है। यह पिछली सबसे खराब स्थिति से भी 30 फीसदी कम है। पूर्वी अमेरिका में विपरीत मौसम अमेरिका के पूर्वी हिस्से में बेहद सर्दी है और बर्फ जमी हुई है। लेकिन पश्चिम में हालात बिल्कुल उलट हैं। यूटा के वेस्ट जॉर्डन शहर में लोग टी-शर्ट और शॉर्ट्स में घूम रहे हैं। ट्रेवर स्टीफेंस ने कहा, अभी जमीन पर बिल्कुल बर्फ नहीं है। उन्होंने स्नोबोर्डिंग न कर पाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा, मुझे फिसलन भरी सड़कें सही लगती हैं, लेकिन यह हालात नहीं। बर्फ की कमी का व्यापक स्तर पर दिख रहा असर बर्फ की कमी से स्की रिसॉर्ट पहले ही परेशान हैं। अब असर बड़े स्तर पर दिखने लगा है। ओरेगन, कोलोराडो और यूटा में 1980 के बाद से सबसे कम बर्फ दर्ज की गई है। जनवरी महीना बहुत सूखा रहा। अधिकतर राज्यों में औसत से आधी या उससे भी कम बारिश हुई। धूप ज्यादा रही और तापमान ऊंचा रहा। इस वजह से बर्फ जम ही नहीं पाई। कैलिफोर्निया की हालत अन्य राज्यों से बेहतर दिसंबर में भारी बारिश होने के कारण कैलिफोर्निया की हालत दूसरे राज्यों से थोड़ी बेहतर है।

# गाजा में फिर गूंजे हवाई हमले, तीन की मौत; इस्राइल बोला- हमने सीजफायर उल्लंघन का दिया जवाब

**गाजा पट्टी।** गाजा में युद्धविराम के बावजूद इस्राइली हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हुई है। इस्राइल ने कहा कि रफाह में सैनिकों पर फायरिंग के जवाब में कार्रवाई की गई। बंधक समझौते के बाद भी बड़े राजनीतिक मुद्दे अनसुलझे हैं। वेस्ट बैंक पर इस्राइली फैसले से संयुक्त राष्ट्र ने चिंता जताई है। गाजा पट्टी में युद्धविराम के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। इस्राइल के ताजा हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई है। अस्पताल सूत्रों ने मौतों की पुष्टि की है। सीजफायर लागू होने के बावजूद हमले और जवाबी कार्रवाई की घटनाएं जारी हैं। इससे इलाके में शांति प्रक्रिया पर नए सवाल खड़े हो गए हैं और हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में हुए हमलों के बाद घायलों और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। अस्पताल प्रशासन ने तीन लोगों की मौत की जानकारी दी। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने रफाह शहर में अपने सैनिकों पर फायरिंग के जवाब में कार्रवाई की। सेना के मुताबिक यह युद्धविराम का उल्लंघन था और जवाब में ह्लसटीक निशानोंह्व पर हमला किया गया। युद्धविराम के बावजूद जारी टकराव करीब चार महीने पहले अमेरिका समर्थित युद्धविराम समझौता लागू हुआ था। यह समझौता हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को रोकने के लिए बनाया गया था। इस योजना को मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के प्रस्तावित 20 सूत्रीय ढांचे पर आगे बढ़ाया गया था। समझौते के तहत बंधकों और कैदियों की अदला-बदली भी हुई। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर झड़पें और सैन्य कार्रवाई पूरी तरह नहीं रुकी। बंधक समझौता हुआ, पर बड़े मुद्दे बाकी समझौते के शुरूआती चरण में हमास ने अपने पास मौजूद सभी जीवित बंधकों को रिहा किया। बदले में इस्राइल ने हजारों फलस्तीनी कैदियों को छोड़ा और कुछ शव भी लौटाए गए। लेकिन गाजा के भविष्य का प्रशासन कौन संभालेगा, सुरक्षा व्यवस्था कैसी होगी और राजनीतिक ढांचा क्या होगा, जैसे बड़े मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। इन सवालों पर अब भी मतभेद बने हुए हैं। वेस्ट बैंक पर इस्राइली फैसले से यूएन चिंतित संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस्राइल के वेस्ट बैंक में नियंत्रण बढ़ाने के फैसले पर चिंता जताई है। उनके प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे कदम दो-राष्ट्र समाधान की संभावना को कमजोर कर सकते हैं। इस्राइल की सुरक्षा कैबिनेट ने वेस्ट बैंक में नियंत्रण गहरा करने और फलस्तीनी प्राधिकरण की शक्तियां घटाने वाले कदमों को मंजूरी दी है। इस्राइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने कहा कि इससे फलस्तीनी राज्य की अवधारणा को और कमजोर किया जाएगा। रफाह बॉर्डर क्रॉसिंग फिर खुली, पर रफ्तार धीमी मिस्र से लगने वाला रफाह क्रॉसिंग पॉइंट हाल ही में दोबारा खोला गया है। गाजा प्रशासन से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि आवाजाही की प्रक्रिया अब धीरे-धीरे सुधर रही है। पहले हफ्ते में अव्यवस्था और देरी की शिकायतें आई थीं। यूरोपीय संघ मिशन के अनुसार अब तक सैकड़ों लोग पार कर चुके हैं, जिनमें मेडिकल मरीज भी शामिल हैं। गाजा के स्वास्थ्य तंत्र के बुरी तरह प्रभावित होने के कारण करीब 20 हजार लोग इलाज के लिए बाहर जाने की प्रतीक्षा में बताए गए हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सीजफायर लागू होने के बाद भी सैकड़ों लोगों की मौत दर्ज हुई है। मंत्रालय का कहना है कि 7 अक्टूबर 2023 के हमले में करीब 1,200 लोग मारे गए थे। इसके बाद इस्राइल की सैन्य कार्रवाई में 72 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जाने का दावा किया गया है। संयुक्त राष्ट्र और कई स्वतंत्र विशेषज्ञ स्थानीय स्वास्थ्य आंकड़ों को संघर्ष के दौरान सबसे भरोसेमंद स्रोत मानते रहे हैं।

# जनमत संग्रह से पहले मोहम्मद यूनुस की खुली अपील, कहा- हां बोलेगा तो बदलेगा बांग्लादेश

**ढाका।** बांग्लादेश में आम चुनावों से पहले अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने लोगों से खास अपील की है। यूनुस ने कहा कि अगर जनमत संग्रह में 'हां' जीतता है, तो बांग्लादेश का भविष्य ज्यादा सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह बात वरिष्ठ सचिवों और शीर्ष नौकरशाहों को संबोधित करते हुए कही, ठीक उस वक्त जब चुनाव प्रचार खत्म हो गया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने 12 फरवरी को होने वाले जनमत संग्रह (रेफरेंडम) में लोगों से खुलकर 'हां' वोट देने की अपील की है। यह जनमत संग्रह आम चुनावों के साथ ही कराया जा रहा है। क्या है जनमत संग्रह का मुद्दा? यह जनमत संग्रह यूनुस सरकार द्वारा पेश किए गए 84 बिंदुओं वाले सुधार पैकेज पर जनता की सहमति जानने के लिए कराया जा रहा है। इस सुधार प्रस्ताव को 'जुलाई नेशनल चार्टर-2025' नाम दिया गया है। यूनुस का कहना है कि इस चार्टर के लागू होने से देश में 'कुशासन' को रोका जा सकेगा। सरकारी मशीनरी पर पक्षपात के आरोप बांग्लादेश बैंक के आदेश पर सरकारी दफ्तरों में 'हां' वोट के बैनर लगाए गए। बैंकों से कहा गया कि वे सीएसआर फंड का इस्तेमाल जनमत संग्रह के समर्थन में एनजीओ अभियानों के लिए करें। चुनाव आयोग ने 29 जनवरी के बाद सरकारी अधिकारियों को प्रचार से रोका और इसे दंडनीय अपराध बताया। संविधान को लेकर गंभीर सवाल कई कानूनी विशेषज्ञों ने इस जनमत संग्रह की वैधता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बांग्लादेश के संविधान में जनमत संग्रह का कोई प्रावधान नहीं है। अंतरिम सरकार को निष्पक्ष रहना चाहिए था, लेकिन वह खुलकर 'हां' के पक्ष में प्रचार कर रही है। प्रसिद्ध विधिवेत्ता स्वाधीन मलिक ने कहा कि जुलाई चार्टर और उस पर जारी राजपत्र (गजट) मौजूदा संविधान के खिलाफ हैं। राष्ट्रपति की भूमिका पर भी विवाद इस प्रस्ताव पर राष्ट्रपति मोहम्मद शाबुद्दीन के हस्ताक्षर के बाद आधिकारिक गजट जारी किया गया। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि जब संविधान न तो रद्द हुआ है और न ही निलंबित, तो राष्ट्रपति ऐसा गजट कानूनी रूप से मंजूर नहीं कर सकते। क्या है विपक्ष की आपत्ति? आलोचकों का कहना है कि चार्टर में कई जटिल सुधार शामिल हैं। एक ही सवाल में हां या ना का विकल्प देना मतदाताओं के लिए भ्रमित करने वाला है।

# कौन है रहस्यमयी महिला कारिना शुलियाक, जिसे एपस्टीन ने अपना वारिस बनाया

**वॉशिंगटन।** जेफ्री एपस्टीन से जुड़े कई लोग इन दिनों चर्चा में हैं। अब एक कारिना शुलियाक नाम की महिला की चर्चा है, जिसे एपस्टीन की बेहद करीबी बताया जा रहा है। कारिना को ही एपस्टीन ने मरने से पहले आखिरी बार कॉल की थी और कारिना को ही अपनी अरबों रुपये की संपत्ति का वारिस बनाया है। कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन को लेकर कई ऐसे खुलासे हुए हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया में हलचल मचाई है। अब एपस्टीन फाइल्स के नए जारी दस्तावेजों में एक रहस्यमयी महिला ने भी लोगों की दिलचस्पी को बढ़ाया है। ये महिला है कारिना शुलियाक, जो जेफ्री एपस्टीन की बेहद करीबी थी और उसे ही एपस्टीन ने अपनी अरबों रुपये की संपत्ति का वारिस बनाया है। गौरतलब है कि अपनी मौत से पहले एपस्टीन ने आखिरी कॉल कारिना को ही किया था। कौन है कारिना शुलियाक कारिना बेलारूस की एक डेंटिस्ट है, जिसे अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा जारी दस्तावेजों में एपस्टीन की प्रेमिका बताया गया है। एपस्टीन के जीवन में उसका गहरा असर था और अगस्त 2019 में जब एपस्टीन ने आत्महत्या की थी तो उसने आखिरी बार कारिना से ही बातचीत की थी। यौन तस्करी के मामलों में फंसने के बाद एपस्टीन से उसके करीबी दोस्तों ने भी मुंह फेर लिया था और सिर्फ कारिना शुलियाक ही थी, जो आखिरी समय तक एपस्टीन के संपर्क में थी, इससे दोनों के रिश्तों की गहराई का अंदाजा लगाया जा सकता है। कारिना शुलियाक (36 वर्षीय) पहली बार साल 2010 में एपस्टीन से मिली थी। उस वक्त कारिना 20 साल की थी और दोनों की मुलाकात बेलारूस के मिंस्क में हुई। दोनों की एक कॉमन दोस्त ने दोनों की मुलाकात कराई थी। एपस्टीन फाइल्स में बताया गया है कि जल्द ही दोनों की दोस्ती हो गई और कारिना एपस्टीन की सबसे करीबी दोस्तों में से एक हो गई। कारिना को अमेरिका में बसाने में भी एपस्टीन का ही हाथ था। एपस्टीन फाइल्स में बताया गया है कि दोनों के रिश्ते करीबी, भावनात्मक थे और एपस्टीन उसे अपनी प्रेमिका और मंगेतर बताता था। एपस्टीन ने कारिना के लिए सगाई की महंगी हीरे की अंगूठी भी खरीदी थी। कारिना ने अमेरिका की कोलंबिया यूनिवर्सिटी से डेंटल मेडिसिन की पढ़ाई की और कोलंबिया यूनिवर्सिटी में एडमिशन दिलाने में भी जेफ्री एपस्टीन ने ही कारिना की मदद की थी।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।